● वर्ष : 17 ● अंक : 235 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

WWW.LKSTV.IN

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 15 जून 2026

भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच 'भारत इनोवेट्स' सेतु का कार्य करेगा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी को साझा दृष्टि, नवाचार और प्रेरणा पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच सेतु का कार्य करेगा तथा भारतीय नवाचारों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने प्रमुख निवेशकों और वेंचर कैपिटल प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारियां करते हैं लेकिन कुछ संबंध केवल साझा हितों तक सीमित नहीं होते। उन्होंने भारत और फ्रांस के संबंधों को ऐसे ही रिश्ते का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह साझा दृष्टि और आपसी विश्वास पर आधारित है। इस संबंध में जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य और साझा दृष्टिकोण सभी शामिल हैं। इसी आधार पर दोनों देशों ने हाल के वर्षों में कई नई पहलों की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच पुल का काम कर रहा है। इसके माध्यम से भारतीय युवाओं को यूरोपीय विशेषज्ञता से जुड़ने और अपने विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और देश में स्टार्टअप क्रांति देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा नया दृष्टिकोण लेकर मानवता की समस्याओं के समाधान खोज रहा है। 'भारत इनोवेट्स' ऐसे ही विश्वस्तरीय समाधानों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल समाधान का उपभोक्ता नहीं है बल्कि समाधान प्रदान करने वाले देश के रूप में उभर रहा है। देश प्रौद्योगिकी प्रदाता की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित युवा उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि उनमें आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरे नए भारत की झलक दिखाई देती है।

कुछ उद्यमी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ग्रामीण भारत के जीवन में बदलाव ला रहे हैं, जबकि कुछ उपग्रह तकनीक का उपयोग किसानों की सहायता के लिए कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य मानवता की सेवा करने वाली तकनीक विकसित करना है।

पीएम मोदी का फ्रांस में भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

नीस। पीएम मोदी रविवार दोपहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। साथ ही भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, हेल्थ टेक, मेडिकल टेक्नोलॉजी, एआई, सेमीकंडक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी से जुड़े 12 समझौते हो सकते हैं। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर चर्चा होगी। भारत चाहता है कि इन विमानों में अपने हथियार जोड़ने की सुविधा मिले। इसके लिए सोर्स कोड का मुद्दा भी उठाया जाएगा। डील पर अभी कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति की मंजूरी नहीं मिली है। पीएम मोदी की यात्रा के बाद ही इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस के नीस शहर में भारतीय समुदाय ने पीएम का स्वागत किया। पीएम ने एक बच्चे को दुलार भी किया। भारतीय समुदाय की महिलाओं ने पीएम के हाथ को अपने सिर पर लगाया। पीएम मोदी 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में ही रहेंगे। 16 से 17 जून को एवियान में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

डोनाल्ड ट्रंप के 40 झूठ पर भारी पड़ा ईरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर अभी तक 40 बड़े झूठ बोले हैं। हर झूठ के बाद शेयर बाजार में उस झूठ का असर दिखा, लेकिन ईरान के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति के मसीहा बनना चाहते थे। उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इजराइल और गजा का युद्ध बंद कराने की बात कही थी। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच समझौता करने की बात कही थी। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप कहीं सफल नहीं हो पाए। उल्टे ईरान युद्ध में वह बुरी तरह से फंस गए हैं। जहां से अब उन्हें निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता था वह दुनिया के सबसे बड़े शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति हैं, उनकी बात को सब मानेंगे।

एक समय पर वह अपने आप को शांति के नोबेल पुरस्कार का हकदार मानकर चल रहे थे। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इतना झूठ बोलने के बाद भी अपने मनोवांछित फल को प्राप्त नहीं कर पाए। इस दुख का एहसास डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा किसको हो सकता है। जिस ईरान पर पिछले 47 सालों से अमेरिका ने प्रतिबंध लगा कर रखा और ईरान की जनता को भारी कष्ट पहुंचाया। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई और हमले में 165 से ज्यादा जिन बच्चों की हत्या की थी, लगता है यह पाप ट्रंप का पीछा नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका जैसे महा शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान जैसा कमजोर देश इस तरह की चुनौती देगा यह उनके सपने में भी नहीं था।

ईरान ने जिस तरह से पिछले 4 महीने में अमेरिका को उसकी औकात दिखाई है इसकी कल्पना शायद किसी ने भी नहीं की थी। ईरान जैसा कमजोर देश, जिस पर इतने सारे प्रतिबंध लगे हों, अमेरिका ने जहां सत्ता पलटने की भरपूर कोशिशें कर लीं हों, आर्थिक दृष्टि से कमजोर ईरान उसे इस तरह से मात देगा। उसके कारण डोनाल्ड ट्रंप को इतने सारे झूठ बोलने पड़ेंगे। 40 झूठ बोलने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को इस युद्ध से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौता हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आज 14 जून को जन्मदिन है।

उन्होंने यह कहा था कि वह अपने जन्मदिन पर सारी दुनिया को एक तोहफा देने जा रहे हैं। लेकिन यह तोहफा भी वह नहीं दे पा रहे हैं। इस समझौता पत्र पर जिनेवा में हस्ताक्षर किया जाना था, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने यह कहकर समझौते पर पलीता लगा दिया है कि अभी समझौते की शर्तों पर सहमति नहीं बनी है। समझौते की शर्त पर सहमति बन जाने के बाद ईरान की सरकार जनता के सामने उन शर्तों को रखकर जनता की मंजूरी मिलने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। ईरान की राजनीति, कूटनीति और सामरिक रणनीति अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए बहुत भारी पड़ी है।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

आइजोल। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया।

विश्व मंच पर मजबूत हुई भारत की सांस्कृतिक पहचान : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और सभ्यतागत मूल्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में पिछले वर्षों में हुए प्रयासों को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि भारत न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है, बल्कि अपनी समृद्ध ज्ञान-परंपरा को भी दुनिया के साथ साझा कर रहा है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा एक संदेश में उन्होंने बताया कि भारत की कई सांस्कृतिक परंपराओं को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला है, जिससे भारतीय सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के कई नए स्थलों को विश्व धरोहर का दर्जा मिला है, जबकि विदेशों में पहुंच चुकी बहुमूल्य और प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की स्वदेश वापसी भी सुनिश्चित की गई है। यह प्रयास देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। रणधीर जायसवाल ने यह भी उल्लेख किया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना भारत में की गई है। इससे भारतीय चिकित्सा ज्ञान और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। योग के वैश्विक प्रसार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज एक वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

राष्ट्रपति ने त्योहार राजा पर दी बधाई, यह त्यौहार प्रकृति से मिलकर रहने की याद दिलाता है

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा में मनाए जाने त्योहार राजा पर राज्य के लोगों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा- फसल के त्योहार राजा के मौके पर मैं देश के लोगों और खासकर ओडिशा के लोगों को दिल से बधाई देती हूं। राष्ट्रपति मुर्मु ने लिखा-मानसून के मौसम का यह मनभावन त्योहार धरती, मां और बादलों के सम्मान में मनाया जाता है। पीठा, पान के पत्ते और झूला झूलने जैसे उत्सवों के बीच राजा हमें प्रकृति के साथ मिल-जुलकर रहने की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि राजा त्योहार की यह खास भावना हमें राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करेगी। राजा के इस उत्सवपूर्ण मौके पर मैं राज्य और देश के लोगों की खुशी, शांति और समृद्धि की कामना करती हूं। बता दें राजा पर्व ओडिशा में मनाया जाने वाला तीन दिवसीय नारीत्व का त्योहार है। माना जाता है कि हिंदू देवी भूमि जो देवी महालक्ष्मी का धरती माता वाला रूप हैं और भगवान विष्णु की पत्नी हैं, इस त्योहार के पहले तीन दिनों के दौरान मासिक धर्म से गुजरती हैं। चौथे दिन को वसुमती स्नान या भूमि का औपचारिक स्नान कहा जाता है। राजा शब्द संस्कृत के रजस शब्द से आया है, जिसका अर्थ है मासिक धर्म और मासिक धर्म वाली महिला को रजस्वला कहा जाता है। मध्यकाल में यह त्योहार खेतीबाड़ी से जुड़े त्योहार के तौर पर लोकप्रिय हुआ, जिसमें भूमि की पूजा की जाती है। देवी भूमि को भगवान विष्णु के ही एक क्षेत्रीय रूप जगन्नाथ की पत्नी के तौर पर पूजा जाता है। पुरी मंदिर में जगन्नाथ के बगल में भूमि देवी की चांदी की मूर्ति भी मौजूद है।

12 वर्षों में 61 प्रतिशत बढ़ा राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क : केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में पिछले 12 वर्षों में अवसंरचना विकास और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किया गया है। साल 2014 में सड़क नेटवर्क लगभग 91,287 किलोमीटर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 61 प्रतिशत बढ़कर 1,46,572 किलोमीटर से अधिक हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के इस तीव्र विस्तार और वैश्विक स्तर की अवसंरचना ने देश की आर्थिक प्रगति को गति दी है और माल ढुलाई लागत को कम किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने रविवार को बताया कि साल 2013-14 में सड़क निर्माण की औसत गति 11.6 किलोमीटर प्रति दिन थी, जो साल 2025 में बढ़कर करीब 34 किलोमीटर प्रति दिन पहुंच चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि आईआईएम बैंगलोर के एक अध्ययन के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास से कारखानों तक पहुंच आसान हुई है, जिससे परिवहन लागत में भारी कमी आई है। साथ ही, प्रमुख 'भारतमाला परियोजना' के तहत 34,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा विकसित करने का लक्ष्य है, जिसमें से मार्च 2026 तक 22,590 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। मंत्रालय के अनुसार, करीब 1,386 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पूरा होने पर देश का सबसे लंबा नियंत्रित प्रवेश एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 जून को इसके गुजरात खंड के किम-एना (36 किमी) और गंदेवा-एना (27.5 किमी) हिस्से का उद्घाटन किया है। इसके अलावा करीब 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे ने भी यात्रा समय को काफी घटाया है। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेस-वे के दिल्ली खंड का उद्घाटन अगस्त 2025 में और हरियाणा खंड का उद्घाटन मार्च 2024 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। वहीं, दक्षिण भारत में 118 किलोमीटर लंबे बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे ने यात्रा का समय 3 घंटे से घटाकर 75 मिनट कर दिया है।

दक्षिण एशिया में पहले 'विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच' की भारत करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों और संसाधन संकट के इस दौर में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच' के 10वें संस्करण की मेजबानी भारत करेगा। इसका आयोजन पहली बार भारत में किया जा रहा है। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 15 से 18 सितंबर तक होने वाले वैश्विक आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों होने की संभावना है। इसमें अनेक वैश्विक नेताओं विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के नेताओं के आने की उम्मीद है। इस महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान के अशांत और चुनौतीपूर्ण समय में खुशहाली, समृद्धि और लचीलेपन को सुरक्षित करने के लिए बेहतरीन चक्रीय समाधानों को प्रदर्शित करना है। डब्ल्यूसीईएफ-2026 का आयोजन फिनलैंड के इनोवेशन फंड 'सिट्रा' और भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसे केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है और यह गुजरात सरकार के समन्वय के साथ-साथ वैश्विक और भारतीय भागीदारों के सहयोग से संपन्न होगा। 'सिट्रा' के वैश्विक चक्रीय अर्थव्यवस्था कार्यक्रम के निदेशक कारी हरलेवी ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "पश्चिमी देशों और ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) दोनों ही जगह नीति निर्माताओं के लिए संसाधनों की पर्याप्तता एक बड़ी चिंता बन गई है।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

अमेरिका-ईरान तनाव का सड़कों पर दिखने लगा असर

एजेंसी। नई दिल्ली

विटुमेन के दामों में 40 से 50 फीसदी इजाफे के चलते रिपेयर नहीं हो पा रही कई किमी की सड़कें

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव के चलते कच्चे तेल और माल ढुलाई की लागत बढ़ने के चलते दिल्ली में विटुमेन के दामों में करीब 40 से 50 फीसदी इजाफा हुआ है। इसके चलते दिल्ली की 68.6 फीसदी 961 किमी सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। सरकार ने सीआरआईएफ के तहत 300 किमी लंबी 153 बनी सड़कों की मरम्मत करने की योजना बनाई है। पिछले साल टेंडर भी हो चुका था लेकिन बिटुमेन में दामों में उछाल के चलते सड़कें रिपेयर नहीं हो पाई। पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी लंबी सड़कों में से 961 किमी लंबी सड़कों की मरम्मत इसके चलते पिछले साल से नहीं हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 283 किमी लंबी सड़कों की रिपेयरिंग के लिए पीडब्ल्यूडी ने जीन वाइज टेंडर किया गया था। इन सड़कों की रिपेयरिंग मार्च 2027 तक पूरी करनी थी, लेकिन बिटुमेन के दाम बढ़ने के चलते बीच में ही काम रुक गया है। 20 किमी लंबी ऐसी सड़कें हैं, जिनका मेंटिनेंस पीरियड पांच साल से कम है लेकिन इनकी हालत बेहद जर्जर है। इन सड़कों की भी रिपेयरिंग नहीं हो पा रही है। 258 किमी लबी सड़कों को माइको सर्वोसिंग करनी थी, लेकिन बिटुमेन महंगा होने से उनका काम भी नहीं हो पा रहा है। पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी लंबी सड़कों में से 961 किमी लबी सड़कों की रिपेयरिंग कठिन है क्योंकि बिटुमेन महंगा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में जारी युद्ध और महंगे फ्यूल का असर अब पासपोर्ट सेवा में भी दिखाई दे रहा है। गर्मियों की छुट्टियों में पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदनों की संख्या में 30 से 40 फीसदी तक की कमी आई है। पिछले सालों में गर्मियों के समय आवेदन दोगुने हो जाते थे। पासपोर्ट सेवा केंद्र, झंडेवालान के एक अधिकारी ने कहा कि पहले 1600 आवेदन हर रोल आते थे, जो गर्मियों में 2500 तक बढ़ जाते थे। अब झंडेवालान ऑफिस में हर रोज 2000 आवेदन आते हैं। पुराने रेकॉर्ड देखे तो इन्हें इस वक्त 3000 के करीब होना चाहिए। रिन्युअल के लिए भी आवेदन आते थे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 12 वर्षों में ऐतिहासिक बदलाव, आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना से करोड़ों लोगों को मिला लाभ : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

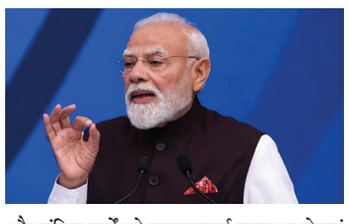

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और उपचार को अधिक किफायती बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि आयुष्मान भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम बन चुका है। यह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक राहत मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम नागरिकों, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के चिकित्सा खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने हृदय रोगियों के लिए उपयोग होने वाले स्टेंट तथा घुटना प्रत्यारोपण (नी इम्प्लांट) की कीमतों को भी नियंत्रित कर उपचार को अधिक किफायती बनाया है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में मरीजों को मिला है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में हुए विस्तार का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में नए मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना के साथ-साथ मेडिकल सीटों की संख्या में लगातार वृद्धि की गई है। इससे चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं और भविष्य में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अधिक प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार सुविधाओं का विस्तार करना नहीं, बल्कि एक समग्र और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करना है, जिससे प्रत्येक नागरिक को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

एक आज्ञाकारी नौकर वाला है वर्तावः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी हमलों में भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने केंद्र सरकार को एक आज्ञाकारी नौकर बताते हुए कहा कि देश का सम्मान और रक्षा करने में विफल रही यह सरकार। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार की विदेश नीति और अमेरिका के प्रति उसके रुख पर तीखे सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा, कि अमेरिकी हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत के बावजूद अमेरिका ने न तो खेद व्यक्त किया और न ही माफी मांगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका लगातार निर्देशात्मक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है और भारत सरकार उसका पर्याप्त विरोध तक नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र ऐसी भाषा स्वीकार नहीं कर सकता।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ओमान में भारतीय नागरिक का निधन, पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने के प्रयास में जुटा दूतावास

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक भारतीय नागरिक निशांत उर्थनाथन की मृत्यु के बाद उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर कहा, "दूतावास, दुर्भाग्यवश व्यापारिक जहाज पर मेडिकल कारणों से जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक निशांत उर्थनाथन के परिवार वालों, जहाज़ के क्रू सदस्यों और संबंधित अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उतारने और स्वदेश वापस लाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मुश्किल समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं।"

गोविंदपुरी अग्निकांड: मामले में बड़ा खुलासा, चार को पकड़ा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी स्थित तुगलकाबाद एक्सटेंशन में हुए भीषण अग्निकांड की जांच में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। शुरुआती जांच में हादसा मानी जा रही आग की घटना अब सुनियोजित साजिश और आगजनी का मामला निकली है। पुलिस ने एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। इस आग में तीन लोगों की मौत हो गई थी जबकि आठ अन्य घायल हुए थे। पुलिस के अनुसार, 12 जून को रात करीब 2:24 बजे तुगलकाबाद एक्सटेंशन की गली नंबर-1 स्थित भवन संख्या आरजेड-171/1 में आग लग गई थी। आग ने देखते ही देखते ग्राउंड फ्लोर से लेकर पांचवीं मंजिल तक पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में आठ लोग झुलस गए थे, जिन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था।घटना में पंकज पांडेय, सुशीला देवी और सोनिया कुमारी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मामले में पहले पुलिस ने बीएनएस की धारा 287 और 106(1) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी।जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक महिला आग लगने से कुछ देर पहले इमारत में प्रवेश करती दिखाई दी। इसके बाद जांच का रुख बदल गया और मामला दुर्घटना के बजाय आगजनी का पाया गया।पुलिस ने जांच के दौरान नवजीवन कैंप, गोविंदपुरी निवासी 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की की पहचान कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि गिरीनगर निवासी 27 वर्षीय सरिता ने उसे पेट्रोल और माचिस देकर इमारत की पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दीपक की स्कूटी में आग लगाने के लिए उकसाया था। बताया गया कि दीपक और सरिता के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा था।पुलिस के मुताबिक, सरिता ने पूछताछ में बताया कि यह पूरी साजिश नवजीवन कैंप निवासी निरंजन (33) और उसके भाई राजकुमार (27) ने रची थी। दोनों किसी व्यक्तिगत रंजिश का बदला लेना चाहते थे और इसी मकसद से स्कूटी में आग लगाने की योजना बनाई गई थी।जांच में सामने आया कि स्कूटी में लगाई गई आग ने पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके कारण तीन लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।मामले में पुलिस ने अब बीएनएस की धारा 61 (आपराधिक साजिश), 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 326(जी) (आग से नुकसान पहुंचाना) और 331(4) (रात में घर में घुसपैठ) सहित अन्य धाराएं जोड़ दी हैं। नाबालिग लड़की समेत सभी चार आरोपियों को पकड़ लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साजिश से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

केसर सिंह नेगी की रिहाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की उठी मांग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मालवीय नगर अग्निकांड मामले में गिरफ्तार कुक केसर सिंह नेगी की रिहाई और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर रविवार को जंतर-मंतर पर उत्तराखंड के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर का इलाका "केसर सिंह नेगी को न्याय दो" के नारों से गूंज उठा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, होटल कर्मी, छात्र, युवा और दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले उत्तराखंड मूल के लोग शामिल हुए।प्रदर्शन की शुरुआत मालवीय नगर अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों और हाल ही में दिवंगत हुए प्रसिद्ध निशानेबाज जसपाल सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने केसर सिंह नेगी के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।प्रदर्शन का नेतृत्व उत्तराखंड लोक मंच के अध्यक्ष बृजमोहन उप्रेती ने किया। इस दौरान उत्तराखंड भ्रातृ मंडल, उत्तराखंड होटल संगठन, गढ़वाल हितैषिणी सभा समेत कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें मामले की निष्पक्ष जांच और विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह मामला अत्यंत संवेदनशील और गंभीर है। ऐसे में जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष ठहराने का अधिकार केवल न्यायालय को है, इसलिए जांच एजेंसियों को न्याय के सिद्धांतों का पूर्ण पालन करना चाहिए।हाथों में पोस्टर और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने नेगी की गिरफ्तारी पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि केसर सिंह नेगी एक कर्मचारी हैं और मामले में वास्तविक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। प्रदर्शन में शामिल पवन कुमार मैठानी ने कहा कि जांच निष्पक्ष होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उत्तराखंड लोक मंच के अध्यक्ष बृजमोहन उप्रेती ने कहा कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और साक्ष्यों पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया पर सभी को भरोसा है और उम्मीद है कि निर्दोष को न्याय मिलेगा तथा दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई होगी।

कालकाजी में भीषण आग के बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने विधायक आतिशी की अनुपस्थिति पर उठाए सवाल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ रही आग की घटनाएं बेहद चिंता जताते हुए, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों दफ्तरों में वायरिंग की जांच, नियमित सर्विस और बिजली उपकरण बंद रखें। उल्लेखनीय है कि रविवार तड़के देश की राजधानी के कालकाजी इलाके में एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस दौरान गैस सिलेंडरों के फटने और तेज लपटों के बीच दूसरी मंजिल पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला फंस गईं। हालांकि, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।इस साहसिक कार्य के लिए सभी दिल्लीवासियों की ओर से फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों का अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि दमकल विभाग के समय पर पहुंचने और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सेंट्रल जोन की अध्यक्ष योगिता सिंह द्वारा तुरंत राहत कार्य संगठित करने से एक बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया। इस आग की चपेट में आने से बगल की इमारत को भी नुकसान पहुंचा है।हादसे पर दुख जताते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कालकाजी की स्थानीय विधायक आतिशी पर भी तीखा हमला बोला। हर्ष मल्होत्रा ने कहा, "हम आग जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते लेकिन यह बेहद खेदपूर्ण है कि अभी पांच दिन पहले मैक्स अस्पताल के बाहर हौज रानी दुर्घटना पर आंसू बहाने वाली विधायक आतिशी, अपने खुद के चुनाव क्षेत्र में इतनी बड़ी दुर्घटना होने के घंटों बाद भी मौके पर नहीं पहुंचीं।" उन्होंने दिल्ली में मौसम के उतार-चढ़ाव (भीषण गर्मी और सर्दी) के कारण बिजली उपकरणों पर बढ़ते लोड को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कूलर, एसी और माइक्रोवेव जैसे भारी उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिसका पूरा लोड पुरानी वायरिंग पर पड़ता है। यह स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना को निमंत्रण देने जैसी है। भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली की जनता से अपील की है कि वे आग के प्रति पूरी सतर्कता बरतें ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

सभी को नदी के प्रति अपनी आदतों और व्यवहार में बड़ा बदलाव लाने की जरूरत: रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि हम सभी को नदी के प्रति अपनी आदतों और व्यवहार में बड़ा बदलाव लाने की जरूरत है। रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आज दिल्ली सरकार की ओर से 'यमुना तट स्वच्छता अभियान 2026' के तहत एक महा-सफाई अभियान (मेगा क्लीनिंग ड्राइव) का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत दिल्ली में यमुना के 28 प्रमुख घाटों और तटीय क्षेत्रों पर एक साथ बड़े पैमाने पर सफाई की गई। इसका उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना है।मुख्यमंत्री ने खुद गीता कॉलोनी घाट पहुंचकर इस अभियान की कमान संभाली। उन्होंने आम नागरिकों और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर यमुना तट से कचरा साफ किया और श्रमदान देकर समाज के सामने एक मिसाल पेश की।अभियान के दौरान घाटों से भारी मात्रा में प्लास्टिक, सिंगल-यूज पॉलीथीन, पुरानी टूटी मूर्तियां, भगवान के वस्त्र और प्लास्टिक में बंधी पूजा सामग्री निकाली गई। मुख्यमंत्री ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि यह स्थिति इस बात का संकेत है, "यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, संस्कृति और जीवन का आधार है। यदि हम इसे प्रदूषित रखेंगे, तो हमारी पूजा-अर्चना का उद्देश्य कभी पूरा नहीं हो सकता। सरकार अपना काम पूरी तत्परता से करेगी लेकिन यमुना को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नागरिकों को भी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी संभालनी होगी।"मुख्यमंत्री ने सभी उपस्थित नागरिकों और स्वयंसेवकों को यमुना को स्वच्छ रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे पूजा सामग्री, फूल-माला और मूर्तियों को सीधे यमुना में प्रवाहित नहीं करेंगे। पॉलीथीन और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह बंद करेंगे। नदी में पुराने कपड़े या अन्य कोई अपशिष्ट नहीं फेंकेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' और पर्यावरण संरक्षण के विजन से प्रेरणा लेते हुए सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें अमृत योजना के तहत नजफगढ़ क्षेत्र में 860 करोड़ रुपये की लागत से 12 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। इससे नजफगढ़ ड्रेन का गंदा पानी यमुना में गिरने से रोका जा सकेगा।इसके अलावा, केशोपुर एसटीपी के आधुनिकीकरण (उन्नयन) के साथ-साथ जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर काम चल रहा है।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। दिल्ली सरकार आने वाले समय में भी नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाती रहेगी ताकि जनभागीदारी के जरिए यमुना के स्वच्छ, निर्मल और अविरल स्वरूप को हमेशा के लिए बहाल किया जा सके। इस महा-सफाई अभियान के तहत यमुना के दोनों किनारों पर स्थित प्रमुख घाटों को कवर किया गया। इनमें गीता कॉलोनी घाट, निजामुद्दीन घाट, पुराना लोहे का पुल घाट, सिग्नेचर ब्रिज (पूर्वी व पश्चिमी तट), कुदेसिया घाट और निगम बोध घाट, सोनिया विहार के (जीरो, ढाई और चौथा पुश्ता) घाट, कालिंदी कुंज घाट, आईटीओ घाट, मयूर विहार यमुना खादर और सराय काले खां, चिल्ला गांव, गांधी नगर, राम घाट, काली घाट, श्याम घाट, सूरघाट, वासुदेव घाट, और यमुना बैंक शामिल हैं।लगभग 22 किलोमीटर लंबे तटीय क्षेत्र में फैले इस अभियान में 500 से अधिक सामाजिक और धार्मिक संगठनों के हजारों स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

वैश्विक ऑनलाइन योग ने रचा इतिहास, चार लाख से ज्यादा लोगों ने किया योग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से पहले रविवार को ऑनलाइन योग सत्र ने एक नया इतिहास रच दिया। सुबह आयोजित ऑनलाइन योग सत्र में देश ही नहीं दुनिया में करीब 4,35,831 लोगों ने एक साथ योग किया। पिछले साल यह संख्या 2,46,452 थी।इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कियोग केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने की एक शैली है।उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से योग को अपनी जीवनशैली बनाने और अपने परिवार, मित्रों व समाज को भी इससे जोड़ने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज एक वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है। यूट्यूब लाइव स्ट्रीम पर लाखों देशवासियों की सहभागिता ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारत की सामूहिक योग शक्ति का अद्भुत परिचय दिया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'योग365' का आह्वान हमें प्रेरणा देता है कि हम योग को केवल 21 जून तक सीमित न रखकर, इसे वर्ष के 365 दिन अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। यह मात्र एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण का सुदृढ़ संकल्प है।इस मौके पर आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोलकाता में मुख्य योग कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। आयुष सचिव ने देश और दुनिया के लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं हो सकते, वे वर्चुअली जुड़कर प्रधानमंत्री जी के साथ योग करें। अपने योगाभ्यास की सेल्फी #हर घर योग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करें और आयुष मंत्रालय को टैग करें ।उल्लेखनीय है कि इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने और अधिक सुलभ बनाने के लिए आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लगातार 100 दिनों तक मुफ्त ऑनलाइन लाइव योग सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। हैबिल्ड के संस्थापक के मार्गदर्शन में हुए इस यूट्यूब लाइव स्ट्रीम में भारत सहित दुनियाभर के लाखों लोगों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। लाखों योग साधकों की इस अभूतपूर्व सहभागिता ने 'गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड' की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाते हुए, विश्व पटल पर भारत की सामूहिक योग शक्ति का अद्भुत परिचय दिया है।

सार्वजनिक सूचना / निष्कासन एवं निलंबन संबंधी नोटिस

दैनिक समाचार पत्र "लोकतंत्र की शान"

यह सर्वसाधारण, समस्त सरकारी विभागों, अर्द्ध-सरकारी संस्थानों, स्वायत्तशासी निकायों, निजी संस्थाओं एवं आमजन को सूचित किया जाता है कि प्रवीण अग्रवाल, जो पूर्व में दैनिक समाचार पत्र "लोकतंत्र की शान" में अमरोहा जिला प्रभारी के पद पर कार्यरत थे, उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायतों एवं जांच के दौरान गंभीर अनुशासनहीनता, अनुचित आचरण, संस्थान की गरिमा के प्रतिकूल व्यवहार तथा वित्तीय अनियमितताओं संबंधी तथ्यों के संज्ञान में आने के उपरांत उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके पद से निलंबित एवं संस्थान से निष्कासित कर दिया गया है। अतः दिनांक __14/06/2026_ से प्रवीण अग्रवाल का दैनिक समाचार पत्र "लोकतंत्र की शान" से किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। उन्हें संस्थान की ओर से किसी भी प्रकार का प्रतिनिधित्व करने, पत्राचार करने, विज्ञापन, सदस्यता, धनराशि संग्रह करने अथवा संस्थान के नाम का उपयोग करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। सभी सरकारी विभागों, कार्यालयों, संस्थानों एवं संबंधित अधिकारियों से अनुरोध है कि प्रवीण अग्रवाल के साथ दैनिक समाचार पत्र "लोकतंत्र की शान" के प्रतिनिधि के रूप में किसी प्रकार का आधिकारिक कार्य न करें। यदि कोई व्यक्ति, संस्था अथवा विभाग उनके साथ स्वयं के स्तर पर कोई लेन-देन अथवा कार्य करता है, तो उसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति अथवा संस्था की होगी। इसके लिए दैनिक समाचार पत्र "लोकतंत्र की शान" किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा। यह सूचना जनहित एवं संस्थान के हित में जारी की जा रही है।

भारतीय नाविकों की मौत पर खरगे ने सरकार से देश के सामने स्थिति स्पष्ट करने को कहा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ओमान के निकट हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के मामले में कहा कि घटना के तीन दिन बाद भी प्रधानमंत्री की ओर से कोई सार्वजनिक बयान या शोक संदेश नहीं आया है। इसलिए देश स्पष्टता चाहता है। इस हमले में मारे गए नाविकों के परिवार न्याय के हकदार हैं। खरगे ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर कहा कि वह पूरे देश के साथ मिलकर जान गंवाने वाले भारतीय नाविकों के प्रति शोक व्यक्त करते हैं। नाविकों के पार्थिव शरीर भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन अब तक प्रधानमंत्री की ओर से कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विदेश नीति के कारण भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और संप्रभुता को नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रीय हितों से समझौता किया जा रहा है। पहले पूर्ववर्ती सरकारों की स्वतंत्र विदेश नीति के कारण विश्व भारत की बात गंभीरता से सुनता था।उन्होंने कहा कि विदेश नीति के मामलों में भारतीय नागरिकों के जीवन को बाद में सोचने का विषय नहीं बनाया जा सकता। कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि सरकार इस पूरे घटनाक्रम पर देश के सामने स्पष्ट स्थिति रखे और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज बवाना के पूठखुर्द गांव में 10 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री तथा बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने रविवार को बवाना विधानसभा के अंतर्गत आने वाले गांव पूठखुर्द में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के फंड से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का विधिवत शुभारंभ किया।इन परियोजनाओं के तहत पूठखुर्द गांव में सड़कों का सुदृढ़ीकरण, सीसी पेवमेंट निर्माण, आरसीसी नालियों का निर्माण और जल निकासी व्यवस्था (ड्रैनेज सिस्टम) को बेहतर बनाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।इन्द्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने कहा, "पूठखुर्द में शुरू की गई ये परियोजनाएं केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह गांव के समग्र विकास और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। मजबूत सड़कें और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था ही ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं।" मंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने से पूठखुर्द और उसके आसपास के इलाकों की सूरत बदलेगी। आधुनिक सड़कों और नालियों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को जलभराव (वाटरलॉगिंग) की पुरानी समस्या से मुक्ति मिलेगी। गांव की आंतरिक कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे लोगों का आवागमन अधिक सुगम हो जाएगा। दैनिक जीवन, व्यापारिक गतिविधियों और सामाजिक सुविधाओं तक ग्रामीणों की पहुंच आसान होगी।मंत्री ने बवाना विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की रफ्तार को रेखांकित करते हुए कहा कि कल ही दीप विहार में लगभग 20 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया था और आज पूठखुर्द में 10 करोड़ रुपये के कार्यों की शुरुआत हुई है। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि सरकार क्षेत्र के विकास को लेकर पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में ये कार्य जमीन पर दिखाई देंगे और दिल्ली देहात को विकास की मुख्यधारा से और मजबूती के साथ जोड़ा जाएगा।

"कॉंग्रेस वितार विभागके लघन राष्ट्रव्यापी कीर्यक्रम"

लोकतंत्र की शान

फ़रीदाबादः : कॉंग्रेस विचार विभाग के पाष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन प्रवीण डावर जी के पद ग्रहण के पश्चात देश के विभिन्न प्रान्तों मेँ उन्होँने सघन कार्यक्रम प्रारंभ कर दिये हैँ। वरिष्ठ उपाध्यक्षा डॉ.जया शुक्ला ने कहा कि आज सत्तालोलुपता के चलते भाँतिभाँति के झूठ और भ्रान्ति फैलाकर भाजपा देश से उन मूलभूत सिद्धान्तों के मूल विचार मिटाने की लगातार कोशिश कर रही है। यही सिद्धान्त न केवल हमारे देश की मूल संस्कृति हैँ, बल्कि मानव सभ्यता का समाहित विकास भी इसी पर आधारित है। यही विचार कॉंग्रेस के भी मूल सिद्धान्त हैँ। देश के जनमानस मेँ इनका पुनःजागरण बहुत ही आवश्यक है। इस सत्य को बख़ूबी पहचानते हुए कैप्टन प्रवीण डावर जी ने यह सघन कार्यक्रम प्रारंभ किये हैँ। इसी कड़ी मेँ आज हरियाणा प्रदेश की सभा फ़रीदाबाद मेँ प्रदेश विचार विभाग अध्यक्ष द्वारा आयोजित की गई, जहाँ प्रदेश व ज़िले के विभिन्न बुद्धिजीवी वर्गोँ के लोगोँ ने अपने विचार व सुझाव कैप्टन प्रवीण डावर जी के सम्मुख रखे। कॉंग्रेस ज़िला अध्यक्ष श्री कौशिक के नेतृत्व मेँ कॉंग्रेस के अन्य विभागगोँ ने भी पूरा सहयोग किया। कैप्टन साहब के साथ गईँ वरिष्ठ उपाध्यक्षा डॉ. शुक्ला और उपाध्यक्षा डॉ.नीता मिश्रा ने भी अपने विचार रखे। अन्त मेँ कैप्टन डावर का अत्यन्त ओजस्वी, सारगर्भित और सुझावोँ से परिपूर्ण भाषण हुआ, जिससे श्रोतागण बहुत उत्साहित नज़र आए। जनसभा के बाद प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक मेँ कैप्टन साहब ने आगे के कार्यक्रमोँ की रूपरेखा बताई।

— जया शुक्ला

आगामी तीन वर्षों में यमुना की तस्वीर बदलेगी: प्रवेश वर्मा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को कहा कि आगामी तीन वर्षों में यमुना की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी।प्रवेश वर्मा ने दिल्ली स्थित आईटीओ घाट पर 'मां यमुना नदी तट सफाई अभियान' के दौरान मीडिया से कहा, "केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों से आगामी तीन वर्षों में यमुना की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। यमुना को साफ करने की कोशिशें युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा इस बारे में साफ और कड़े निर्देश दिए हैं। हमें इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले हैं।" यमुना सफाई परियोजना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए मंत्री ने बताया कि इस पूरे मिशन की निगरानी खुद केंद्रीय गृह मंत्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के साथ लगातार समीक्षा बैठकें होती हैं जो हर 20 दिन में काम की पूरी जानकारी और प्रोग्रेस रिपोर्ट लेते हैं। इसके साथ ही इस काम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का भी पूरा सहयोग मिल रहा है।प्रवेश वर्मा ने कहा कि इतने बड़े समर्थन और आशीर्वाद के साथ, माँ यमुना की सफ़ाई को कोई नहीं रोक सकता। अगले तीन साल में आप यमुना में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखेंगे। उल्लेखनीय है कि आज रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार की ओर से 'यमुना तट स्वच्छता अभियान 2026' के तहत एक महा-सफाई अभियान (मेगा क्लीनिंग ड्राइव) का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत दिल्ली में यमुना के 28 प्रमुख घाटों और तटीय क्षेत्रों पर एक साथ बड़े पैमाने पर सफाई की गई। इसका उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

लोकतंत्र की शान : लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेल और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी क्रम में मेरठ स्थित मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभ्यर्थी 10 जुलाई तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह पहल प्रदेश के खिलाड़ियों और खेल क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आई है।

बीएससी योग और एमएससी योग में प्रवेश शुरू–इस वर्ष से विश्वविद्यालय में तीन वर्षीय बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (बीपीईएस) और बीएससी योग पाठ्यक्रम में प्रवेश दिए जाएंगे। इसके साथ ही दो वर्षीय एमएससी योग कार्यक्रम में भी दाखिले होंगे। खेल क्षेत्र में नए अवसरों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने स्पोर्ट्स जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किया है। विवि में बीपीईएस कोर्स 2025-26 से शुरू हो चुका है। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत प्रॉस्पेक्टस वेबसाइट https://sportsuniup.com/ पर उपलब्ध कर दिया गया है। खिलाड़ियों और छात्रों को आवेदन के लिए लगभग एक महीने का समय दिया गया है।

बंटवारे को लेकर विवाद में विवाहिता ने की आत्महत्या, पति पर मारपीट का आरोप

लोकतंत्र की शान : गोण्डा। देहात कोतवाली क्षेत्र के बेसिया चैन ग्राम पंचायत में शनिवार देर शाम बंटवारे को लेकर हुए विवाद के बाद 24 वर्षीय विवाहिता राधा देवी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका अपने पति पर परिवार से अलग रहने का दबाव बना रही थी। पति के इनकार और मारपीट से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। घटना के बाद दो मासूम बेटियों के सिर से मां का साया उठ गया।

ससुर की मौत के बाद बढ़ा विवाद–प्राप्त जानकारी के अनुसार, राधा देवी पत्नी त्रिवेणी कश्यप निवासी बेसिया चैन की शादी 6 साल पहले बहराइच जिले के विशेश्वरगंज से हुई थी। राधा की दो बेटियां हैं, एक दो साल की और दूसरी महज दो महीने की। बीते 13 मई को त्रिवेणी के पिता मेवालाल का निधन हो गया था। इसके बाद से राधा पति पर दबाव बना रही थी कि वह अपनी मां, 14 वर्षीय भाई और 12 वर्षीय बहन से अलग होकर बंटवारा कर ले। लेकिन त्रिवेणी संयुक्त परिवार के साथ ही रहना चाहता था।

सुबह हुई मारपीट, शाम को लगाई फांसी–बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह इसी बात को लेकर पति-पत्नी में कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर त्रिवेणी ने राधा की पिटाई कर दी। इससे नाराज राधा ने शाम करीब 7 बजे घर के अंदर कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी।

मायके वालों ने रोका शव, सीओ ने समझाया–घटना की सूचना पर देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। उधर सूचना पाकर बहराइच से मृतका के मायके वाले भी आ गए। उन्होंने पति पर कार्रवाई की मांग को लेकर शव उठाने से रोक दिया। मौके पर पहुंचे सीओ नगर आनंद राय ने मायके वालों को समझा-बुझाकर शांत कराया। काफी मशक्कत के बाद परिजन माने।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव–पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय गोण्डा भेज दिया है। देहात कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असल वजह स्पष्ट होगी। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। दो महीने की दुधमुंही बच्ची और दो साल की बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है।

जनशिकायतों और बिजली-पानी की व्यवस्था पर मण्डलायुक्तसख्त

लोकतंत्र की शान : बांदा। चित्रकूटधाम मण्डल के आयुक्त अजीत कुमार ने जनसुनवाई एवं शिकायत निवारण प्रणाली को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान लापरवाही और असंतोषजनक रिपोर्ट मिलने पर कमिश्नर ने अधिशासी अभियन्ता, उत्तर प्रदेश जल निगम बाँदा और अधिशासी अभियन्ता, उत्तर प्रदेश जल निगम चित्रकूट को श्कारण बताओ नोटिसश् जारी किया है। आयुक्त ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जनशिकायतों का निस्तारण केवल कागजों या औपचारिकता में नहीं, बल्कि धरातल पर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध होना चाहिए।अभिलेखों में नहीं, जमीन पर दिखे समाधान मण्डलायुक्त ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि मण्डल के किसी भी गांव में पेयजल संकट की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक ग्राम में नियमित और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए। जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों और मार्गों को तत्काल मानक के अनुसार ठीक कराया जाए। भविष्य में भ्रामक आख्या या लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश, सोशल मीडिया की खबरों का लिया संज्ञान कमिश्नर ने दैनिक समाचार पत्रों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आ रही बिजली कटौती की खबरों का गंभीर संज्ञान लिया। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोस्टर के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।आंधी, तेज हवा या अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त हुए बिजली के पोल, लाइन और ट्रांसफार्मरों को बिना किसी देरी के तत्काल बदला या मरम्मत किया जाए।बिजली आपूर्ति बाधित होने पर विभागीय अधिकारी दफ्तरों में बैठने के बजाय त्वरित स्थलीय कार्रवाई कर समस्या का समाधान करें। पेयजल और विद्युत दोनों ही आमजन की मूलभूत आवश्यकताएं हैं और यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

सीएम योगी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र और सहायता राशि

» सुपोषण मिशन के द्वितीय चरण का किया शुभारंभ, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को वितरित किया नवीन अनुपूरक पुष्टाहार

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में 926 करोड़ रुपये की लागत से 226 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र, सहायता राशि, आवास की चाबी, आयुष्मान कार्ड तथा नवीन अनुपूरक पुष्टाहार वितरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सुपोषण मिशन के द्वितीय चरण का शुभारंभ करते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को नवीन टेक होम राशन (टीएचआर) रेसिपी एवं अनुपूरक पुष्टाहार वितरित किया। उन्होंने शेजल, सिद्धि, आंशी, सानवी और श्री जैसी नन्हीं बच्चियों को तथा सोनी देवी और अमृत देवी जैसी गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण किट प्रदान कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की लाभार्थी रवीना मधेशिया को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सुनीता देवी और चैता देवी को आवास की चाबी एवं स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपे गए। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शकुंतला देवी को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। कृषि विभाग की योजनाओं के अंतर्गत कौड़ीराम क्षेत्र के बुनेल प्रजापति को कृषि परियोजना के लिए अनुदान स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। वहीं बेलघाट क्षेत्र के जयप्रकाश मिश्रा को भी कृषि विकास से संबंधित सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया।

युवाओं को अत्याधुनिक विषयों में दक्ष और किसानों को आत्मनिर्भर बनाएं: मुख्यमंत्री

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम गुरु गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की साधारण बैठक की। उन्होंने विभिन्न संस्थाध्यक्षों और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवाओं को एआई, साइबर, स्पेस साइंस इत्यादि अत्याधुनिक विषयों में दक्ष बनाएं। उन्होंने कहा कि हमें वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करना है। जवान और किसान को सशक्त बनाकर ही स्वर्णिम भविष्य की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत बताई।

अब नया नाम होगा 'दिग्विजय नाथ कॉलेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन'–महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष सीएम योगी ने घोषणा की कि 'दिग्विजय नाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय' अब से 'दिग्विजय नाथ कॉलेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन' के नाम से जाना जाएगा। परिषद की संस्थाओं को गुणात्मक विकास की ओर ले जाने के लिए मार्गदर्शन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थाध्यक्षों, शिक्षकों और कर्मचारियों को खुद को समय के हिसाब से लगातार अपडेट करते रहना होगा। इसके लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा।

जरूरतमंदों के साथ खड़ी है सरकार, हर उचित समस्या का कराएगी निदानः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित दिग्विजय नाथ स्मृति भवन के बाहर 'जनता दर्शन' किया। यहां प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लगभग 200 लोग अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी की समस्या सुनी और उचित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है, सभी की उचित समस्या का निदान कराएगी। सीएम योगी ने मामलों के निस्तारण के लिए प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण निष्पक्ष और समयसीमा के भीतर होना चाहिए।

समयसीमा के भीतर पीड़ितों को न्याय दिलाएं–'जनता दर्शन' में पुलिस व राजस्व संबंधी शिकायतों पर सीएम ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। समयसीमा के भीतर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें।

विश्व रक्तदान दिवस पर नवीन इलाही ने किया रक्तदान, लोगों से की आगे आने की अपील

» "आपका एक यूनिट रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है"-नवीन इलाही

लोकतंत्र की शान/ सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभलः विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर समाजसेवी नवीन इलाही ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस दौरान उन्होंने लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, क्योंकि आपका एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। नवीन इलाही ने कहा कि दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन और अन्य आपात स्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में रक्तदाताओं द्वारा किया गया एक छोटा-सा प्रयास किसी परिवार की खुशियां बचाने का माध्यम बन जाता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। विश्व रक्तदान दिवस हमें मानवता, सेवा और परोपकार की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नवीन इलाही के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और अधिक से अधिक लोग रक्तदान के लिए प्रेरित होते हैं।

शिया समाज के धर्मगुरु मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब की बरसी पर इमामबाड़ा शर्की में मजलिस-ए-इसालेसवाब, उनकी दीन व तालीमी सेवाओं को किया गया याद

लोकतंत्र की शान/ सैय्यद कुमैल ज़ैदी

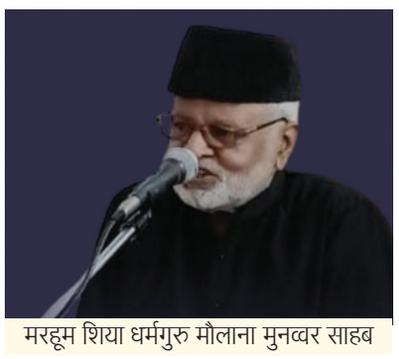

मरहूम शिया धर्मगुरु मौलाना मुनव्वर साहब

मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना अली हैदर गाजी क़िबला, जामातुश-शहीद, दिल्ली

सम्भल। कस्बा सिरसी के इमामबाड़ा शर्की में शिया समाज के प्रतिष्ठित धर्मगुरु, विद्वान आलिम-ए-दीन, कुशल शिक्षक एवं समाज सुधारक मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब की बरसी के अवसर पर मजलिस-ए-इसालेसवाब का आयोजन बड़े ही अकीदत और एहतराम के साथ किया गया। मजलिस में क्षेत्र सहित दूर-दराज से आए अकीदतमंदों ने शिरकत कर मरहूम के लिए दुआ-ए-मगफिरत की। मजलिस का आगाज़ पेशखानी से हुआ, जिसे जनाब अब्बास सिरसवी ने अपने विशेष अंदाज़ में पेश किया। इसके बाद मशहूर मर्सियाख्वां गदीरुल हसन ने दर्द भरा मर्सिया पढ़कर कर्बला की यादों को ताज़ा कर दिया, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया और उपस्थित लोगों की आंखें नम हो उठीं। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना अली हैदर गाजी क़िबला, जामातुश-शहीद, दिल्ली ने कहा कि मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब शिया समाज के लिए एक मिसाल थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन दीन-ए-इस्लाम, अहलेबैत (अ.) की तालीमात और समाज की रहनुमाई के लिए समर्पित कर दिया। सादगी, इल्म, तकवा और इंसानियत उनके व्यक्तित्व की पहचान थी। उन्होंने हमेशा समाज को शिक्षा, नैतिकता, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम दिया। उन्होंने कहा कि मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब ने गुजरात के एक मदरसे में प्रिंसिपल (प्रधानाचार्य) के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं और अपने जीवनकाल में हजारों बच्चों को दीन और दुनियावी तालीम से रोशन किया। उनके शागिर्द आज देश के विभिन्न हिस्सों में दीन की खिदमत और समाज की बेहतरी के कार्यों में लगे हुए हैं। वह शिक्षा को समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम मानते थे तथा बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा और अच्छे संस्कारों पर विशेष बल देते थे। वक्ताओं ने कहा कि मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब ने कौमी एकता, भाईचारे, शिक्षा और अहलेबैत (अ.) की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया। अपनी विद्वता, विनम्रता और समाज सेवा के कारण वह हर वर्ग में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते थे। उनका व्यक्तित्व आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनकी दीन व समाज के प्रति सेवाओं को सदैव याद किया जाता रहेगा। मजलिस में मुख्य रूप से मौलाना सफी असगर नजमी एवं मीसम रज़ा नक़वी मौजूद रहे। उन्होंने भी मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब की दीन, तालीमी एवं समाजी सेवाओं को याद करते हुए उन्हें शिया समाज का महान रहनुमा और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मजलिस के अंत में मरहूम मौलाना मुनव्वर साहब के इसालेसवाब के लिए विशेष दुआ कराई गई तथा मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे, कौमी एकता और इंसानियत की सलामती के लिए हाथ उठाए गए।

पुलिस अधीक्षक रामपुर द्वारा थाना सिविल लाईन क्षेत्रान्तर्गत रक्तदान शिविर में सहभागिता की गई

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर उत्तर प्रदेश अच्छा/ पुलिस अधीक्षक, सोमेंद्र मीणा द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा जी कमेटी एवं गुरु नानक वेलफेयर सोसायटी (रजि.) सिविल लाईन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में सहभागिता की गई। इस दौरान आमजन एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की गई । रक्तदान मानवता की सेवा का एक श्रेष्ठ माध्यम है तथा एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है । इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले सभी रक्तदाताओं एवं आयोजकों की सराहना करते हुए उपहार भेंट कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया गया ।

हसनपुर में बसपा का शक्ति प्रदर्शनः विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, हाजी मुमताज अली विधानसभा प्रत्याशी घोषित

लोकतंत्र की शान, संवाददाता : सतीश चंद्र राणा

तहसील : हसनपुर | जनपद : अमरोहा, हसनपुर (अमरोहा)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने पार्टी की संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन किया। लोकसभा चुनाव के बाद संगठन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस एक दिवसीय सम्मेलन का नेतृत्व बसपा के वरिष्ठ नेता हाजी मुमताज अली उर्फ हाजी भुट्टो ने किया। सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी पहुंचे, जिससे पूरा पंडाल खचाखच भर गया। कार्यक्रम स्थल पर बसपा समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंच पर पहुंचते ही हाजी मुमताज अली का कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं गगनभेदी नारों के साथ भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हाजी मुमताज अली ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" की विचारधारा पर कार्य करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "आज हसनपुर की धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि बसपा की जड़ें जनता के बीच मजबूत हैं। पार्टी हर वर्ग को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।" सम्मेलन में वक्ताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि जनता बदलाव की ओर देख रही है। कार्यक्रम में मौजूद भारी भीड़ और कार्यकर्ताओं के जोश ने क्षेत्र के राजनीतिक समीकरणों को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बसपा के वरिष्ठ नेता बाबू मुनकाद अली ने मंच से बड़ा ऐलान करते हुए हाजी मुमताज अली उर्फ हाजी भुट्टो को हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया। इस घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई और पूरे पंडाल में खुशी का माहौल बन गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस सफल सम्मेलन के बाद हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में हाजी मुमताज अली का राजनीतिक कद और प्रभाव पहले से अधिक मजबूत होकर उभरा है।यह संस्करण समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए अधिक व्यवस्थित, प्रभावशाली और पत्रकारिता शैली के अनुरूप है।

जीआरपी हेडकांस्टेबल मोहम्मद जमशेद का इस्तीफाः बोले- वर्दी ने सम्मान दिया, अब सांप्रदायिकता के खिलाफ खुलकर लड़ेंगे जंग

लोकतंत्र की शान

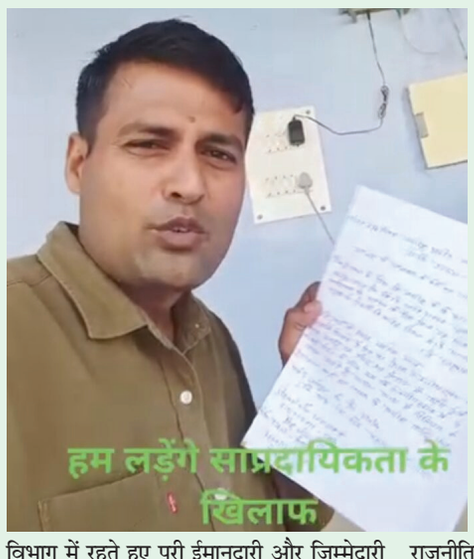

(बरेली/उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली में जीआरपी (Government Railway Police) में तैनात हेडकांस्टेबल मोहम्मद जमशेद के इस्तीफे ने पुलिस विभाग और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। अपने त्यागपत्र में उन्होंने साफ तौर पर लिखा है कि अब वह नौकरी छोड़कर राजनीति के जरिए देश और प्रदेश में बढ़ती सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ना चाहते हैं। उनका कहना है कि वर्दी ने उन्हें सम्मान दिया, लेकिन अब समाज में भाईचारा, समानता और धर्मनिरपेक्षता स्थापित करने के लिए सक्रिय राजनीति में उतरना जरूरी हो गया है। जानकारी के अनुसार मोहम्मद जमशेद ने अपना त्यागपत्र वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बरेली अनुराग आर्य को भेजा है। त्यागपत्र सामने आने के बाद इसकी कॉपी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिससे पूरे पुलिस महकमे में चर्चा का माहौल बन गया है।

इस्तीफे में क्या लिखा? अपने त्यागपत्र में मोहम्मद जमशेद ने लिखा कि उन्होंने पुलिस विभाग में रहते हुए पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया तथा कभी वर्दी की गरिमा और सम्मान से समझौता नहीं किया। उन्होंने यह भी लिखा कि वे अपनी नौकरी से संतुष्ट हैं, लेकिन वर्तमान समय में देश और प्रदेश में बढ़ती सांप्रदायिकता समाज को विभाजित कर रही है।

त्यागपत्र में उन्होंने उल्लेख किया–"हम आ रहे हैं धर्मनिरपेक्षता, समानता और एकता के लिए। प्रदेश और देश में दोबारा भाईचारा कायम करने के लिए राजनीति का रास्ता अपनाएंगे।" उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती दूरियों और वैचारिक विभाजन को कम करने के लिए राजनीतिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाना समय की आवश्यकता है।

राजनीति के जरिए करेंगे समाज सेवा–मोहम्मद जमशेद ने अपने इस्तीफे में स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए राजनीति में आना नहीं है, बल्कि सामाजिक सौहार्द, भाईचारा और देश सेवा के लिए राजनीतिक मंच का उपयोग करना है। उन्होंने लिखा कि सांप्रदायिकता को कम करने और लोगों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए वे राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चौकीदार पर मनमानी, शराब कांड में फंसाने का आरोप, वैशाली के कटहरा थाने में ग्रामीणों ने किया हंगामा

हाजीपुर। वैशाली के कटहरा थाना क्षेत्र के रसूलपुर फतह गांव में एक चौकीदार पर मनमानी, दबंगई और लोगों को शराब कांड के मामलों में फंसाने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने चौकीदार आशुतोष पासवान उर्फ राजकुमार पासवान के खिलाफ थाने में हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि चौकीदार आशुतोष पासवान लोगों को जबरदस्ती शराब कांड के मामलों में फंसाता है। वे बताते हैं कि चौकीदार पहले पैसे की मांग करता है और पैसे न देने पर उन्हें शराब से जुड़े मामलों में नामजद कर देता है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि चौकीदार खुद शराब का सेवन करता है। वह लोगों को डराता-धमकाता है, उनके साथ मारपीट करता है और उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देता है। महादलित बस्ती के कुछ मजदूरों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि शाम के समय ताड़ी पीने पर चौकीदार उनके साथ मारपीट करता है और उन्हें जबरदस्ती मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। ग्रामीणों ने चौकीदार के इस व्यवहार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। संबंधित चौकीदार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चौकीदार को कथित तौर पर कार में बैठकर शराब का सेवन करते हुए देखा जा रहा है।

259.2 लीटर विदेशी शराब बरामद, डीएम के निर्देश पर कार्रवाई, नेटवर्क से जुड़े पहलुओं की जांच जारी

हाजीपुर। वैशाली में शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्पाद विभाग लगातार विशेष छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के निर्देशन में शुक्रवार रात सदर थाना क्षेत्र के बाकरपुर गांव में बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान 259.2 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। उत्पाद विभाग को बाकरपुर गांव में अवैध रूप से विदेशी शराब के भंडारण और तस्करी से संबंधित गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। तलाशी के दौरान विभिन्न ब्रांडों की कुल 259.2 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। छापेमारी के दौरान संबंधित स्थलों की गहन जांच की गई और शराब के भंडारण एवं आपूर्ति नेटवर्क से जुड़े संभावित पहलुओं की पड़ताल की गई। उत्पाद विभाग की टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इसके वितरण तथा तस्करी में कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी वैशाली ने कहा कि जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए उत्पाद विभाग, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। डीएम ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित छापेमारी, वाहन जांच, संदिग्ध स्थलों की निगरानी और सूचना संग्रहण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। प्रशासन की सतत कार्रवाई के कारण अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी दबाव बना है और भविष्य में भी ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे।

पत्नी की हत्या मामले में पति ने किया सरेंडर, 5 जून की रात हुई थी घटना, परिवार के साथ मिलकर जलाया था शव

हाजीपुर। वैशाली में 37 वर्षीय रीता देवी की हत्या और शव जलाने के मामले में उनके पति नंद किशोर राय उर्फ पप्पू राय ने हाजीपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। यह घटना 5 जून की रात को हुई थी, जब पति ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर रीता देवी की हत्या कर दी और उनके शव को जला दिया था। शव के बचे हुए अवशेषों को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। रीता देवी राजापाकड़ थाना क्षेत्र के बखरी बराई गांव निवासी जगत राय की बेटी थी। उनकी शादी नंद किशोर राय से 2007 में हुई थी। शादी के दो साल बाद, नंद किशोर राय ने रीता देवी को छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद रीता देवी ने अपने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में मृतका के पक्ष में फैसला आया था, जिसके बाद रीता देवी अपने ससुराल लौट गई थीं। कुछ महीनों तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन फिर पति द्वारा उनकी हत्या कर शव को जला दिया गया। घटना की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद, महिसौर थाना के पुलिस अधिकारी लगातार मृतका के पति पर दबाव बना रहे थे। इसी दबाव के चलते पति ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अब भी इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। महिसौर थाना अध्यक्ष चांदनी सांवरिया ने बताया कि महिला की हत्या और शव जलाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति और ससुराल वालों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। उन्होंने पुष्टि की कि इसी क्रम में पति ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

21.52 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, सराय पुलिस की छापेमारी में मोबाइल भी बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 21.520 ग्राम अवैध हेरोईन बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी के रूप में हुई है। वैशाली पुलिस अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सघन वाहन जांच और छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में सराय थाना को 12 जून 2026 को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी हेरोईन की खरीद-बिक्री में शामिल था और सराय थानांतर्गत बैलहट्टा में ग्राहक का इंतजार कर रहा था। पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर थानाध्यक्ष सराय ने दंडाधिकारी के साथ मिलकर सूचना का सत्यापन किया और छापेमारी की योजना बनाई। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी, पुत्र रामप्रसाद सिंह, निवासी अंजनी दरवेशपुर, थाना-सराय, जिला-वैशाली को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 21.520 ग्राम हेरोईन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया है कि वह मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे बेचने वाला था। इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ सराय थाना में पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या 216/22 दर्ज है।

मुजफ्फरपुर के 22 केंद्रों पर सिपाही भर्ती एग्जाम संपन्न

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में सिपाही भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। पहली पाली की परीक्षा खत्म हो गई है। कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रथम पाली की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे तक एंट्री दी गई। इसके बाद किसी को एंट्री नहीं दी गई। वहीं, दूसरी पाली के परीक्षार्थियों का रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि किसी भी अभ्यर्थी को मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, कैलकुलेटर या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन फ्रिस्किंग की गई। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा परीक्षा की सतत और प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है, जहां से पूरे आयोजन पर नजर रखी जाएगी। डीएम और एसएसपी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने, कदाचार पर तत्काल कार्रवाई करने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत नियंत्रण कक्ष को देने का निर्देश दिया है।

फुलवारीशरीफ में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत

परिवार ने गर्म पानी डालकर हत्या का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित मझौली गांव में रविवार को एक 40 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर गर्म पानी डालकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मझौली निवासी टोनी राम (40 वर्ष), पिता प्रदीप राम के रूप में हुई है। मृतक के भाई राकेश राम ने बताया कि टोनी राम रविवार सुबह करीब 8 बजे घर से निकले थे। लगभग 11 बजे उन्हें सूचना मिली कि मंझौली मुसहरी के पास टोनी राम का शव पड़ा है।

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांगः घटनास्थल पर पहुंचने के बाद परिवार के सदस्यों ने टोनी राम को मृत पाया। राकेश राम ने आरोप लगाया कि उनके भाई की गांव के कुछ लोगों ने गर्म पानी डालकर हत्या की है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया गया है।

पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारः फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शहबाज आलम ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा गर्म पानी डालकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों से आवेदन प्राप्त होने के बाद लगाए गए आरोपों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

पटना में शराब माफिया जितेंद्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली थाना पटना क्षेत्र से शराब माफिया जितेंद्र कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सुबह गश्ती के दौरान हुई, जब सुबह गश्त पर निकले एएसआई अरविंद निराला की नजर जितेंद्र कुमार पर पड़ी। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया।

पहले भी जा चुका है जेलः जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार जितेंद्र का अपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पहले भी शराब तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है और फिलहाल जमानत पर बाहर आया था। उसके खिलाफ पूर्व में कोतवाली थाने में दो मामले दर्ज बताए जा रहे हैं, जिनमें वह बेल पर था। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट करने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए जक्कनपुर थाने को हैंडओवर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, 3 मार्च 2026 को मीठापुर सब्जी मंडी स्थित एक घर में छापेमारी के दौरान सब्जी के कैरेट में छिपाकर रखी गई शराब की खेप बरामद की गई थी। मौके से

❐ वरीय अधिकारियों को पुलिसवालों की करता था शिकायत

जितेंद्र के नाम से जुड़े कुछ दस्तावेज और चेक भी मिले थे। जक्कनपुर थाने की पुलिस छानबीन के दौरान उसकी संलिप्तता सामने आई थी। उसी समय से इसकी खोजबीन हो रही थी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आ रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया है कि कोतवाली थाने के कुछ कर्मी भी उसके संपर्क में थे, जिनके इशारे पर वह एक अन्य पुलिसकर्मी को बदनाम करने के इरादे से उसके खिलाफ लगातार वरीय अधिकारियों के पास आवेदन दे रहा था। हालांकि, उसे अपनी गलती का एहसास गिरफ्तारी के बाद हुआ।

मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों का हंगामा

एजेंसी, पटना

♦ पुलिस के एक्शन के बाद हुए शांत

पटना के पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर बिहार पुलिस मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों ने जमकर बवाल कर दिया। हालात को काबू करने के लिए पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किया गया और आँसू गैस के गोले छोड़े गए। बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी ट्रेन के विलंब होने की सूचना से नाराज अभ्यर्थियों ने पहले स्टेशन परिसर में प्रदर्शन किया और बाद में रेलवे ट्रैक पर उतरकर रेल परिचालन ठप कर दिया। कुछ ही समय में स्थिति नियंत्रण के बाहर हो गई है और स्टेशन परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। छात्रों के हंगामे की सूचना मिलते ही रेल आईजी जितेंद्र राणा समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया गया। हालांकि इसके बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र मानने को तैयार नहीं हुए और छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई।

पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ी। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का वातावरण रहा। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, उसके बाद हालात काबू में किया जा सका।

छात्रों के द्वारा किए गए पथराव में रेल आईजी जितेंद्र राणा घायल हो गए। साथ ही कई पुलिसकर्मी भी घायल हैं। घटना की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि हंगामा करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। ट्रेन का परिचालन सामान्य हो गया है। भर्ती परीक्षा को लेकर सभी स्टेशनों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती की जाएगी।

खान सर की कोचिंग पर पुलिस ने चिपकाया नोटिस कोचिंग के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती

पूछताछ के लिए बार-बार बुलाने पर भी नहीं पहुंचे 3 स्टाफ

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस ने खान सर की कोचिंग पर नोटिस चिपकाया है। कदमकुंआ थाने की पुलिस दल बल के साथ रविवार दोपहर नोटिस चिपकाने पहुंची थी। यह नोटिस खान ग्लोबल स्टडीज के तीन स्टाफ अंकित कुमार पांडेय, अजीत कुमार और कन्हैया कुमार सिंह के खिलाफ जांच में सहयोग नहीं करने की वजह से जारी किया गया है।

नोटिस में बताया है कि थाना कांड संख्या 410/26 में थाने पर पूछताछ के लिए उपस्थित होना अनिवार्य है। कई बार मौखिक, लिखित और व्हाट्सएप के माध्यम से पूछताछ में सहयोग करने के लिए कहा गया। इसके बावजूद भी तीनों स्टाफ की ओर से जांच में नहीं किया जा रहा है।

नोटिस के माध्यम से रविवार शाम 4 बजे तक थाने पर पहुंचकर सहयोग करने का निर्देश दिया गया, लेकिन तीनों स्टाफ अब तक थाने नहीं पहुंचे हैं। वहीं खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर एहतियातन आज सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कौन हैं तीनों स्टाफ जिनको पुलिस ने उपस्थित होने के लिए कहाः कन्हैया सिंह की ओर से ज्ञान बिंदु एकेडमी के रौशन आनंद, प्रिंस (मृतक), अभिषेक और अन्य के खिलाफ खान ग्लोबल स्टडीज की ओर से कदमकुआं थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कन्हैया सिंह खान ग्लोबल स्टडीज में मैनजमेंट का हिस्सा है। वहीं अंकित कुमार पांडेय और अजीत कुमार खान ग्लोबल स्टडीज के ही कर्मी हैं।

19 सार्वजनिक शौचालयों का संचालन करेगा सुलभ इंटरनेशनल, हर महीने 44000 भुगतान करेगी निगम

एजेंसी, पटना

♦ तीन साल के लिए एमओयू साइन

पटना नगर निगम द्वारा निर्मित 19 आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का संचालन, मैनेजमेंट और रख-रखाव अब सुलभ इंटरनेशनल करेगी। पटना नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया है। इस मौके पर मेयर सीता साहू, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी और सशक्त स्थायी समिति के सदस्य मौजूद थे।

हर महीने 44,000 भुगतान करेगा निगमः इस समझौते के तहत आम नागरिकों को इन सार्वजनिक शौचालयों की सुविधा पूरी तरह फ्री में उपलब्ध कराई जाएगी। नागरिकों से किसी प्रकार का उपयोग शुल्क नहीं लिया जाएगा। पटना नगर निगम और सुलभ इंटरनेशनल के बीच यह समझौता आगामी तीन वर्षों की अवधि के लिए किया गया है। समझौते के मुताबिक, निगम द्वारा प्रत्येक शौचालय के संचालन और रख-रखाव के लिए सुलभ इंटरनेशनल को प्रति माह 44,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त संबंधित शौचालयों का बिजली बिल भी नगर निगम द्वारा ही दिया जाएगा।

सुबह 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक होगा संचालितः इन शौचालयों के संचालन का समय भी निर्धारित किया गया है। मार्च से सितंबर तक सभी शौचालय प्रतिदिन सुबह 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक संचालित होंगे, जबकि अक्टूबर से फरवरी तक इनका संचालन सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक किया जाएगा। वहीं, यात्रियों और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पटना जंक्शन गोलंबर के निकट स्थित सार्वजनिक शौचालय का संचालन 24 घंटे और सातों दिन (24×7) किया जाएगा।

स्वच्छ पटना और स्वस्थ पटना का लक्ष्य होगा मजबूत- मेयरः इस अवसर पर मेयर सीता साहू ने कहा कि, 'स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का विस्तार पटना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सुलभ इंटरनेशनल जैसे अनुभवी संगठन के सहयोग से शहर में सार्वजनिक शौचालयों के बेहतर संचालन एवं रख-रखाव को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे स्वच्छ पटना और स्वस्थ पटना के लक्ष्य को और मजबूती मिलेगी।' वहीं, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी ने कहा कि, 'यह पहल न केवल नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करेगी, बल्कि शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।'

पालीगंज में हथियार के साथ अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज में पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक कट्टा और 10 कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रवीश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को पालीगंज थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि थाना क्षेत्र के सरसी गांव में एक व्यक्ति अपने घर पर अवैध हथियार और कई जिंदा कारतूस रखे हुए है।

इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की। मौके से रवीश कुमार को गिरफ्तार किया गया। हथियार और कारतूस उसके घर में छिपाकर रखे गए थे।

फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ कर रही है, ताकि उसके मंसूबों और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध के रोकथाम को लेकर लगातार पुलिस कार्रवाई कर रही है। शनिवार की शाम को पुलिस को सूचना मिली कि सरसी गांव में एक अपराधी अपने पास अवैध हथियार और जिंदा कारतूस रखे हुए है। जिसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम बनाकर छापेमारी की गई। मौके से अपराधी के कमरे से एक देसी कट्टा 10 जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पटना यूनिवर्सिटी में 50% से अधिक सीटों पर हुआ नामांकन

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन हुआ है। पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर चौथे दिन 139 छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया गया। इसके साथ ही पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। विश्वविद्यालय ने कहा है कि रेगुलर कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें फुल गई है। रिक्त सीटों के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट 15 जून को जारी की जाएगी। चौथे दिन पटना साइंस कॉलेज में 35, पटना कॉलेज में 24, वाणिज्य महाविद्यालय में 17, बीएन कॉलेज में 38 और मगध महिला कॉलेज में 25 विद्यार्थियों का नामांकन लिया गया। विश्वविद्यालय में स्नातक कोर्स रेगुलर कोर्स में कुल 3600 सीटें निर्धारित है। इन तीनों में 3600 में से 2017 सीटों पर नामांकन हो चुका है।

दूसरी ओर पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक स्तरीय कोर्स में प्रवेश परीक्षा 22 जून से शुरू होगी। परीक्षा का आयोजन मगध महिला कॉलेज केंद्र पर होगा। पहले दिन 22 जून को दो पालियों में परीक्षा होगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक बीएससी पर्यावरण विज्ञान की प्रवेश परीक्षा होगी। वहीं, दूसरी पाली दोपहर दो से शाम चार बजे तक बीएससी जैव प्रौद्योगिकी के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। 23 जून को बीसीए और बीबीए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। बीसीए की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और बीबीए की परीक्षा दोपहर दो से शाम चार बजे तक होगी। 24 जून को बीबीए-एलएलबी और बीएफए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा निर्धारित की गई है।

पीएम के 12 साल को कांग्रेस ने बताया 'विषकाल'

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने 12 साल पूरे कर लिए हैं। इसे भाजपा ऐतिहासिक उपलब्धि बता रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमलावर है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने मोदी सरकार की नाकामियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि, 'पीएम मोदी के अमृतकाल से लोग परेशान हैं। इसके साथ ही बिहार कांग्रेस ने मोदी सरकार की नाकामियों के 12 साल को 'विष काल' बताते हुए एक वीडियो भी जारी किया है।

मोदी सरकार अपने वादों को भूल गई- राजेश रामः राजेश राम ने आगे कहा कि, 'विपक्ष का दायित्व जनता को सच्चाई बताना है। बेरोजगारी चरम पर है और रोजगार के वादे पूरे नहीं हुए हैं।' उन्होंने NEET समेत पेपर लीक मामलों पर केंद्र सरकार को घेरा। महंगाई, पेट्रोल-डीजल कीमतों और उज्ज्वला योजना को लेकर भी सवाल उठाए।

सरकार का विजन लोगों को परेशान करना है- राजेश रामः बिहार पीसीसी चीफ राजेश राम की मांग है कि, 'महिला आरक्षण बिल को आज ही लागू करें। सभी प्रतियोगिता परीक्षा में हो रहे अन्याय से युवा परेशान है। चुनाव के समय में नौकरी का वादा करते हैं, चुनाव जीतने के बाद वादा भूल जाते हैं।

पाटलिपुत्र जंक्शन पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर के कहा कि, 'नॉर्थ बिहार के सभी छात्रों को साउथ बिहार बुलाते हैं। साउथ बिहार वालों को नॉर्थ बिहार में भेज रहे हैं। सरकार का विजन है, लोगों को परेशान करना, छात्रों को परेशान करना।'

वर्तमान सरकार पर हमला बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आम व्यापारियों को कभी नोटबंदी तो कभी जीएसटी थोपकर तो कभी सोना नहीं खरीदने की अपील करके नरेंद्र मोदी सरकार ने बर्बाद करने का काम किया है। छोटे व्यापारियों के लिए यह सरकार तानाशाही रवैया अपनाती है लेकिन बड़े व्यापारिक घरानों में अपने मित्र अदाणी और अंबानी सहित अन्य के लिए नियमों को ताक पर रखकर मदद करती है।

❐ नाकामियों का वीडियो जारी किया, पाटलिपुत्र स्टेशन बवाल पर बोले राजेश राम-अभ्यर्थियों को परेशान करना सरकार का मकसद

शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर इस सरकार ने स्किल इंडिया के तहत 40 करोड़ लोगों को कौशल योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया लेकिन 2024 तक स्नातकों में 17.31% बेरोजगारी दर दर्ज हुई जो इस महत्वाकांक्षी योजना को भी फिसड्डी साबित करती है। नई शिक्षा नीति को 2020 में यह सरकार लांच करती है जो अब तक आधी अधूरी और असमंजस में घिरी नजर आती है। लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि 12 वर्षों के शासन काल में 89 प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक इस सरकार में हुए जिसमें अकेले मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में ही चार बार पेपर लीक हुए। सीबीएसई के स्कूली परीक्षा में गड़बड़ी की देश के इतिहास में पहली घटना भी इसी मोदी सरकार में सुनने और देखने को देशवासियों को मिली।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्रामः प्रसिद्ध पर्यटल स्थल लेपर्ड ट्रेल के पास मिला महिला का शव

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लेपर्ड ट्रेल क्षेत्र में अरावली की पहाड़ियों के बीच झाड़ियों में एक महिला का शव मिला है। मृतका की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। शव कई दिनों पुराना प्रतीत हो रहा है, जिसके कारण उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार रविवार को स्थानीय ग्रामीण अरावली की पहाड़ियों में घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान उन्हें झाड़ियों की ओर से तेज दुर्गंध महसूस हुई। ग्रामीण जब झाडियों के पास पहुंचे तो वहां एक महिला का शव पड़ा मिला। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बादशाहपुर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी विजयपाल ने बताया कि पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। घटनास्थल और उसके आसपास के क्षेत्र का बारीकी से मुआयना किया गया है। लेपर्ड ट्रेल और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि किसी संदिग्ध वाहन या व्यक्ति की पहचान की जा सके। पुलिस तकनीकी जांच का भी सहारा ले रही है। घटनास्थल के आसपास सक्रिय रहे मोबाइल नंबरों का डंप डेटा निकाला जा रहा है, जिससे मामले से जुड़े संभावित सुराग मिल सकें। थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस को जल्द ही महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है और मामले का खुलासा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस आसपास के थानों में महिला की तस्वीर और हुलिया साझा किया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

फरीदाबाद : आगरा नहर से मिला व्यक्ति का शव मिला

लोकतंत्र की शान <: फरीदाबाद। गांव एत्मादपुर के पास आगरा नहर में छलांग लगाने वाले 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पुलिस ने रविवार को आईएमटी के पास नहर से बरामद कर लिया। मृतक की पहचान सेक्टर-31 स्थित बंगाल शूटिंग निवासी जगबीर के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जगबीर शनिवार रात करीब आठ बजे घर से यह कहकर निकले थे कि वह थोड़ी देर में वापस आ जाएंगे। इसके बाद वह गांव एत्मादपुर के पास पहुंचे और आगरा नहर में छलांग लगा दी। वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें नहर में कूदते हुए देखा और तुरंत इसकी सूचना उनके स्वजन को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्वजन उनकी तलाश में जुट गए। काफी तलाश के बाद उनका शव रविवार को आईएमटी के पास नहर से बरामद हुआ। जगबीर एक फैक्ट्री में हेल्पर के रूप में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, उन्होंने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की जांच की जा रही है।

यमुनानगरःपश्चिमी यमुना नहर में मिली किशोरी की लाश,जांच में जुटी पुलिस

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर जिले के गंधौली माजरा गांव में 17 वर्षीय किशोरी का शव पश्चिमी यमुना नहर से बरामद किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किशोरी शनिवार दोपहर घर से निकलने के कुछ समय बाद नहर में चली गई थी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला और बचाव दल मौके पर पहुंचा तथा व्यापक खोज अभियान शुरू किया गया। पुलिस के अनुसार देर रात हमीदा हेड क्षेत्र के निकट किशोरी का शव बरामद कर लिया गया। शव को कानूनी औपचारिकताओं के तहत पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपा जाएगा। मृतका की पहचान गंधौली माजरा निवासी मोतीराम की पुत्री के रूप में हुई है। वह परिवार में सबसे बड़ी संतान थी। उसके परिवार में दो अन्य बहनें और एक छोटा भाई भी हैं। परिजनों ने बताया कि वह दसवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर चुकी थी और परिवार के सामान्य माहौल में किसी प्रकार के तनाव अथवा विवाद की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं है। घटना के बाद पूरे परिवार में शोक और स्तब्धता का माहौल है। सदर थाना प्रभारी कमलजीत सिंह ने बताया कि जांच के दौरान ऐसा कोई दस्तावेज या लिखित संदेश प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे घटना के कारणों का तत्काल पता चल सके। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तथ्यों का संकलन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन पड़ताल की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियों और कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

नमक उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार का बड़ा कदमः भूखंड आवंटन अब ई-ऑक्शन से

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राज्य सरकार ने नमक उद्योग को प्रोत्साहन देने और नमक उत्पादकों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए भूखंड आवंटन संबंधी नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। इसके तहत राजस्थान (लवण क्षेत्रों में भूखंड आवंटन) संशोधन नियम, 2026 जारी किए गए हैं। नए नियमों से नमक उद्योग में निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। नए नियमों के अनुसार अब नमक उत्पादन के लिए भूखंडों का आवंटन ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। इससे पहले यह प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के जरिए संचालित होती थी। संशोधित नियमों में अपील की व्यवस्था, नमक इकाइयों के वर्गीकरण तथा अन्य प्रशासनिक प्रावधानों को भी शामिल किया गया है। सरकार के अनुसार जिन जिलों में नमक उत्पादन के लिए लवणीय भूमि उपलब्ध है, वहां अब सर्वे, सीमांकन और भूखंडों के मापन के बाद आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। इससे नए लवण क्षेत्रों में नमक उद्योग के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।पूर्व नियमों में लीज समाप्त होने के चार वर्ष बाद नवीनीकरण का कोई प्रावधान नहीं था, जिसके कारण करीब 300 नमक उत्पादक इकाइयां लीज नवीनीकरण से वंचित रह गई थीं। इससे उद्योग से जुड़े उद्यमियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।राज्य सरकार ने ऐसे मामलों में राहत देते हुए प्रभावित इकाइयों को 6 माह की एकमुश्त छूट देने का निर्णय लिया है। इस अवधि के दौरान इकाइयां अपनी लीज का नवीनीकरण करा सकेंगी। इससे न केवल नमक उत्पादकों को राहत मिलेगी, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। नए नियम लागू होने के बाद नए लवण क्षेत्रों में भूखंड आवंटन की प्रक्रिया आसान होगी, जिससे इस क्षेत्र में निवेश बढ़ने की संभावना है। सरकार का मानना है कि नमक उद्योग के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और प्रदेश की औद्योगिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

रेवाड़ीः धारूहेड़ा की जिंदल कंपनी में लगी भीषण आग

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। धारूहेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित जिंदल कंपनी में रविवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में कंपनी की दोनों मंजिलें इसकी चपेट में आ गईं। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन कंपनी की मशीनें तथा तैयार और कच्चा माल जलकर राख हो गया।।नकारी के अनुसार, जिंदल कंपनी में दोपहिया वाहनों के लिए शॉकर (शॉक एब्जॉर्बर) बनाए जाते हैं। रविवार सुबह कंपनी के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लग गई। उस समय कंपनी में कर्मचारी कार्य कर रहे थे। आग लगते ही कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और सभी लोग तुरंत बाहर निकल आए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। आग की लपटों ने ग्राउंड फ्लोर पर लगी मशीनों को अपनी चपेट में ले लिया, जबकि दूसरी मंजिल पर रखा तैयार और कच्चा माल भी जल गया। कर्मचारियों की सतर्कता के कारण सभी लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

ब्लैक कोबरा का किया गया सुरक्षित रेस्क्यू

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर के नए बस स्टैंड के पास स्थित एक गोदाम में 10 दिनों से डेरा जमाया ब्लैक कोबरा दहशत का पर्याय बना हुआ था। आज सुबह सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीन फिट लंबे ब्लैक कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोंड़ दिया गया। बताया गया कि अंकित सिंह परिहार के गोदाम में पिछले 10 दिनों से लगभग 3 फीट लंबा एक ब्लैक कोबरा सांप कर्मचारियों के लिए दहशत का कारण बना हुआ था। जहरीले सांप की मौजूदगी के कारण गोदाम में कामकाज भी प्रभावित हो रहा था। जानकारी के अनुसार गोदाम में कई दिनों से ब्लैक कोबरा लगातार दिखाई दे रहा था। कर्मचारी जैसे ही काम करने पहुंचते, सांप कभी बाहर निकलकर फुफकार मारता तो कभी गोदाम के भीतर छिप जाता। सांप के भय से कर्मचारियों ने कई बार काम बंद कर दिया था और हर समय किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गोदाम संचालक अंकित सिंह परिहार ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू प्रभारी वनपाल पंकज मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। काफी सावधानी और सतर्कता बरतते हुए सुबह करीब 10 बजे ब्लैक कोबरा का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। रेस्क्यू प्रभारी वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि ब्लैक कोबरा अत्यंत विषैला और खतरनाक सांप होता है। यह सामान्यतः जंगलों में निवास करता है, लेकिन भोजन की तलाश या ठंडी एवं सुरक्षित जगह की खोज में कभी-कभी आबादी वाले क्षेत्रों और घरों में भी पहुंच जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं सांप दिखाई दे तो घबराएं नहीं और न ही उसे मारने का प्रयास करें। तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दें, ताकि प्रशिक्षित टीम सुरक्षित तरीके से उसका रेस्क्यू कर सके।

विधायक संजय पाठक ने बस दुर्घटना में 3 लोगों के निधन पर दुख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से बात कर समुचित मदद का किया आग्रह

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी । विधायक संजय पाठक ने कटनी से विजयराघवगढ़-कारीतलाई जा रही बस के लमतरा ओवर ब्रिज के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार पर दुख प्रकट किया । यात्रा में होने की वजह से इस संबंध में उन्होंने फोन कर माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी से चर्चा की है और शासन की तरफ से समुचित मदद का आग्रह किया। मा. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए कटनी कलेक्टर को मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख पच्चीस हजार रुपये एवं अन्य घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही श्री पाठक ने जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर घायल यात्रियों के समुचित उपचार हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर रैफर किए गए घायलों के परिवार जनों को अपनी तरफ से जबलपुर जाने के लिए तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए दो वाहन उपलब्ध कराए हैं।

विजयराघवगढ़ पुलिस ने चलवाई जेसीबी रास्तों को किया बंद

अवैध रेत खनन के विरुद्ध कार्रवाई

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

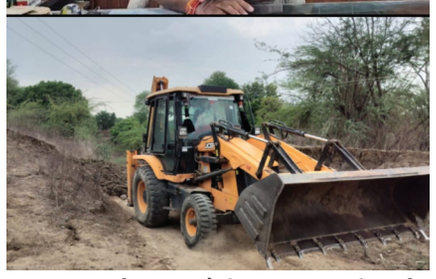

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कमल मौर्य व श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे महोदय के मार्गदर्शन में निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ की पुलिस टीम के द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन रोकने के लिए महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है आपको बता दें कि महानदी से रेत उत्खनन एवं परिवहन हेतु कोई वैद्य कंपनी नहीं होने से रेत उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगी होने के बावजूद भी थाना विजयराघवगढ़ अंतर्गत आने वाली महानदी के कई स्थानों पर अवैध रेत कारोबारियों द्वारा नदी के अंदर जाने का रास्ता तैयार कर अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा था और थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरा, हन्तला, भिम्पार, घुनौर, खिरवा नम्बर 1, चेहला टोला खिरवा से गुजरने वाली महानदी में अवैध रूप से रास्ता बनाकर वाहनों को नदी के अंदर ले जाकर अवैध रूप से रेत परिवहन किया जा रहा था। इसी तारतम्य में विजयराघवगढ़ पुलिस टीम के द्वारा अवैध रेत कारोबारियों द्वारा तैयार किये गये रास्तो में गड्ढा खुदवाकर रास्ता बंद किया गया, ताकि अवैध रेत के खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाया जा सके।

विश्व पटल पर बनाई नई पहचान -प्रवीण लाठर

लोकतंत्र की शान/ राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः हरियाणा में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राज्यव्यापी 'सेवा का महा-अभियान' चलाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों के शासन काल की उपलब्धियों को लेकर किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें करनाल नगर निगम मेयर रेणुबाला सहित सभी भाजपा पार्षद एवं सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे। इस दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनसंपर्क गतिविधियों तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के विषयों पर विस्तृत चर्चा भी की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित यह 12 वर्षों का कार्यकाल देश के विकास का स्वर्णिम अध्याय साबित हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत आने वाले वर्षों में विश्व की अग्रणी शक्तियों में और अधिक मजबूती के साथ अपनी पहचान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले 12 वर्षों में निरंतर राष्ट्रसेवा करते हुए देश को विकास के नए आयाम प्रदान किए हैं। सड़क, रेल, हवाई, डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। जितनी गति से विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है, उसने भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई है।

निधिपुरी घाट पर अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई, जेसीबी से खुदवाए गए अवरोधक गड्ढे

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

गोतरा एवं गुडुआधार से जारी है अवैध रेत उत्खनन

कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपद नदी के गोतरा एवं गुडुआधार घाटों में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल लगातार जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात-दिन नदी से रेत निकालकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं अन्य वाहनों के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है, लेकिन इस पर प्रभावी रोक लगाने में संबंधित विभाग नाकाम साबित हो रहे हैं।

सीधी। अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मड़वास थाना पुलिस ने सराहनीय पहल करते हुए निधिपुरी घाट क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। थाना प्रभारी अतर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घाट तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों पर जेसीबी मशीन की सहायता से जगह-जगह गहरे गड्ढे खुदवाकर अवरोधक तैयार किए हैं। अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने वाले माफियाओं के वाहनों की आवाजाही को रोकना तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। लंबे समय से क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके मद्देनजर थाना प्रभारी अतर सिंह ने यह ठोस कदम उठाया।

थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध रेत खनन से न केवल शासन को राजस्व की हानि होती है, बल्कि नदी-नालों के पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा घाट क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर प्रभावी रोक लगेगी और कानून व्यवस्था मजबूत होगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध भविष्य में भी इसी तरह के अभियान जारी रहेंगे। पुलिस की सक्रियता और दूरदर्शी कार्रवाई से निधिपुरी घाट पर अवैध रेत कारोबार पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमित बने नरेंद्र मोदी विचार मंच मध्यप्रदेश के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। नरेंद्र मोदी विचार मंच भारत, मध्यप्रदेश द्वारा अमित कुमार श्रीवास्तव, निवासी तहसील कुसमी जिला सीधी को प्रदेश सह मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 13 जून 2026 से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। जारी नियुक्ति पत्र में संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि अमित कुमार श्रीवास्तव अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्रहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि उनके द्वारा किया गया कार्य संगठन के उद्देश्यों को गति प्रदान करेगा तथा सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देगा। अमित कुमार श्रीवास्तव की इस नियुक्ति पर क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। समर्थकों ने आशा व्यक्त की है कि वे संगठन और समाज के हित में प्रभावी भूमिका निभाते हुए अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

प्री-मानसून गतिविधियों के कारण आंधी-बारिश से राजस्थान में गर्मी ढीली

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया, जबकि कई जिलों में तापमान 6 से 8 डिग्री तक गिर गया।मौसम विभाग ने रविवार को भी प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी और बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि जैसलमेर को छोड़कर शेष सभी जिलों में यलो अलर्ट घोषित किया गया है।मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) को अरब सागर से पर्याप्त नमी मिल रही है। इसी कारण प्रदेश में तेज हवाएं, घने बादल और बारिश की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। शुक्रवार रात से शुरू हुआ बारिश का दौर शनिवार तक कई जिलों में जारी रहा। सीकर में करीब तीन इंच बारिश हुई, जबकि चूरू में लगभग एक इंच और जयपुर में आधा इंच वर्षा हुई।भीलवाड़ा में शनिवार रात आई तेज आंधी और बारिश से कई स्थानों पर दुकानों के बोर्ड गिर गए तथा देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।बारिश और ओलावृष्टि के असर से प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आ गई। पिलानी, सीकर, चूरू, बीकानेर और जयपुर समेत कई शहरों में पारा 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। जयपुर, करौली, झुंझुनूं, सिरोही, फतेहपुर, सीकर, पिलानी और अलवर में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से भी कम मापा गया।

गजरही में अतिक्रमण हटाने बुलडोजर चला, कई मकान ध्वस्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के बहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गजरही में रविवार शाम करीब 4 बजे रेलवे विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। रेलवे अधिकारियों एवं विभागीय ठेकेदार की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर रेलवे भूमि पर बने कई मकानों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान प्रभावित परिवारों ने इसका विरोध जताया और प्रशासन से कार्रवाई रोकने की मांग की। विरोध के चलते कुछ समय के लिए मौके पर तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई। हालांकि अधिकारियों ने समझाइश देते हुए कार्रवाई जारी रखी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रेलवे विभाग की टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। बुलडोजर की मदद से रेलवे भूमि पर बने निर्माणों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और प्रभावित परिवारों ने अपने आशियाने टूटने पर नाराजगी व्यक्त की। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि रेलवे की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए यह अभियान चलाया गया है। वहीं प्रभावित लोगों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त समय और वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बनाए रखी गई। समाचार लिखे जाने तक कार्रवाई जारी रहने की जानकारी प्राप्त हुई है।

संक्षिप्त समाचार

सफेद पट्टियों का विवादः मुख्यमंत्री ने की एकता बनाए रखने की अपील

मुंबई। मुंबई में की सड़कों पर सफेद पट्टियों के विवाद को लेकर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने समाज में फूट डालने की कोशिशों की निंदा करते हुए एक-दूसरे का सम्मान करने और मिल-जुलकर रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समुदाय को दूसरे के विरोध में नहीं खड़ा होना चाहिए। सभी एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। नेता अक्सर खबरों में बने रहने के लिए इस तरह की बयानबाजियां और कृत करते हैं। इससे किसी को वोट नहीं मिलता। मुंबई में सफेद धारियों को लेकर मनसे और जैन साधु आमने-सामने आ गए हैं। मनसे ने सफेद धारियों का कड़ा विरोध किया है। इस वजह से मुंबई के कुछ हिस्सों में माहौल गरमा गया है। मुख्यमंत्री ने मनसे को फटकार लगाते हुए कहा है कि ऐसा करने से वोट नहीं मिलते। मुख्यमंत्री के तौर पर मुझे इस मुद्दे पर जवाब देने की जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने मनसे प्रमुख राज ठाकरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उत्तर कोस्टल रोड पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह रोड एक बहुत बड़ी परियोजना है। इसे वेस्टर्न एक्सप्रेस से कवर किया जाएगा। मुंबई का ट्रैफिक वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर जाएगा। यह समान और सिग्नल-फ्री रोड देना जरूरी है। यह रोड बांद्रा वर्सोवा सी लिंक को जोड़ेगी।

चार दिवसीय चीन यात्रा पर बीजिंग पहुंचे नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल अपने चीनी समकक्ष वांग यी के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। वह आज सुबह ही चीन के लिए रवाना हुए थे। बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास के अनुसार मंत्री खनाल स्थानीय समयानुसार आज दोपहर चीन की राजधानी बीजिंग पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत चीन में नेपाल के कार्यवाहक राजदूत रोशन खनाल तथा चीनी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने किया। विदेश मंत्री के सम्मान में आज शाम बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास की ओर से एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। दूतावास ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री खनाल नेपाली समुदाय के सदस्यों से भी संवाद करेंगे। इस यात्रा के दौरान मंत्री खनाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच द्विपक्षीय वार्ता होना प्रस्तावित है। वार्ता में नेपाल-चीन संबंधों को और मजबूत बनाने तथा आपसी सहयोग को विस्तार देने के विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा विदेश मंत्री की चीन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें भी निर्धारित हैं। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास के एक निवेश सम्मेलन में भी भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य नेपाल में विदेशी निवेश आकर्षित करना है। वह चीनी उद्यमियों के साथ भी मुलाकात और संवाद करेंगे। विदेश मंत्री खनाल 16 जुलाई को स्वदेश लौटेंगे।

नेपाल : विराटनगर के होटल में ठहरे भारतीय युवक की मौत

काठमांडू। भारतीय सीमावर्ती शहर विराटनगर के एक होटल में ठहरे भारतीय युवक की मौत हो गई। अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोरंग पुलिस के सूचना अधिकारी डीएसपी मकेन्द्र कुमार मिश्र के अनुसार मृतक की पहचान भारत के बिहार राज्य के सहरसा निवासी 24 वर्षीय प्रिन्स कुमार के रूप में हुई है। वह विराटनगर स्थित शुभ होटल में कमरा लेकर ठहरे हुए थे। शनिवार रात करीब 11 बजे होटल के कमरे में उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें विराटनगर स्थित न्यूरो अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीएसपी मिश्र ने बताया कि घटना की जांच के लिए विराटनगर वार्ड पुलिस कार्यालय से डीएसपी लोकेन्द्र सिंह गुरुङ तथा मोरंग जिला पुलिस कार्यालय से इंस्पेक्टर अभिषेक श्रेष्ठ के नेतृत्व में अलग-अलग जांच टीमें तैनात की गई थीं। प्रिन्स कुमार की मृत्यु का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। डीएसपी मिश्र ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

हाथरस में देसी शराब ठेका बंद कराने के लिए महिलाओं ने किया प्रदर्शन, हंगामा

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस शहर के आगरा रोड स्थित सादाबाद गेट के निकट एक देसी शराब के ठेके को लेकर रविवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब नाई का नगला, लाला का नगला और आसपास के कई मोहल्लों की महिलाओं ने ठेके के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। हाथों में लाठी-डंडे लेकर पहुंची महिलाओं ने ठेके के बाहर जमकर नारेबाजी की और तोड़फोड़ का प्रयास करते हुए पथराव भी किया। अचानक हुए विरोध प्रदर्शन से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई और ठेके के कर्मचारियों को जान बचाकर इधर-उधर भागना पड़ा। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप था कि शराब के ठेके के कारण क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि ठेके से शराब खरीदने वाले लोगों के कारण आए दिन मोहल्लों में विवाद, झगड़े और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। महिलाओं का कहना था कि कई परिवार शराब की लत के कारण आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति और परिवार के अन्य सदस्य शराब की गिरफ्त में आ चुके हैं, जिससे घरों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और घरेलू कलह की घटनाएं बढ़ रही हैं। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि देसी शराब के इस ठेके की आड़ में आसपास के क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री भी की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं ने सड़क पर जाम लगाने का प्रयास किया, जिससे यातायात प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। कोतवाली थाना प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने महिलाओं से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें समझाकर शांत कराया। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद महिलाएं अपने बच्चों के साथ वहां से लौट गईं। हालांकि महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया और क्षेत्र से शराब का ठेका नहीं हटाया गया, तो भविष्य में और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रवक्ता प्रवेश परीक्षा : झांसी में 70 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

झांसी। झांसी में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रवक्ता (पुरुष-महिला) राजकीय इंटर कॉलेज (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 रविवार को कड़े सुरक्षा प्रबंधों और व्यापक निगरानी के बीच सकुशल संपन्न हुई। जिले के 25 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 10,214 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से केवल 3,139 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 7,075 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एक पाली में आयोजित की गई। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों को पहले से सैनिटाइज कराया गया तथा सीसीटीवी कैमरों और वॉइस रिकॉर्डर के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की गई। इसके साथ ही कंट्रोल रूम से भी परीक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई। परीक्षा नोडल अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल तथा पुलिस अधीक्षक नगर प्रीति सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और नेशनल हाफिज सिद्दीकी इंटर कॉलेज सहित कई केंद्रों का भ्रमण किया। अधिकारियों ने कमांड कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग, सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय और रैंप जैसी सुविधाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, एंड्रॉयड फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला शिक्षिकाओं द्वारा कराई गई। सभी केंद्रों पर स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात रहे तथा पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

कॉकरोच जनता पार्टी ने बेंगलुरु में बारिश के बीच किया प्रदर्शन

एक्टर प्रकाश राज शामिल हुए, हैदराबाद में वांगचुक की स्पीच, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, बेंगलुरु

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने रविवार को बेंगलुरु में प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिनेता प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनके हाथ में एक फूल था। बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग पोस्टर और छाते लेकर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने NEET पेपर लीक और CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले हैदराबाद के धरना चौक पर भी प्रदर्शन हुआ था, जहां सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों को संबोधित किया। CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके

समर्थक पिछले 9 दिनों में देश के 6 शहरों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अभियान की शुरुआत 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर से हुई थी। इसके बाद 11 जून को पुणे, 12 जून को लखनऊ, 13 जून को अमृतसर और अब 15 जून को बेंगलुरु और हैदराबाद में प्रदर्शन किया गया।

सोनम वांगचुक बोले- यह पार्टी बनाने का आंदोलन नहीं है: हैदराबाद में ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा, यह शिक्षा मंत्री बनने या कोई पार्टी बनाने का आंदोलन नहीं है। यह देश में युवाओं के साथ हो रही गलतियों को सुधारने का आंदोलन है। यह एक जागरण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हमें ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनानी चाहिए, जहां भारत भयमुक्त हो, नफरत से मुक्त हो और हर व्यक्ति को बिना किसी सवाल के स्वतंत्रता मिले। वांगचुक बोले- यह आंदोलन सिर्फ परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। इसका मकसद व्यवस्था की बुनियाद को मजबूत करना भी है, जिसके लिए आगे एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। लेकिन फिलहाल सबसे बड़ी समस्या परीक्षाओं की है।

पांच नशा तस्कर गिरफ्तार हेरोइन व चूरापोस्त बरामद

एजेंसी, सिरसा

पुलिस ने जिले क्षेत्र से पांच नशा तस्करों को गिरफ्तार उनके कब्जे से हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। गिरफ्तार तस्करों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी चंद्रभान, गुरबचन सिंह, विजय, रविंदर व निर्मला के रूप में हुई है।

प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम गश्त एवं अपराध रोकथाम गतिविधियों के तहत शहर के पटेल चौक से होते हुए रानियां चुंगी की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम जब रानियां चुंगी सिरसा के नजदीक पहुंची तो सामने से एक महिला अपने हाथ में काले रंग की पॉलीथिन लिए हुए पैदल आती दिखाई दी, जो कि पुलिस को देखकर अचानक वापस मुड़कर वहां से खिसकने का प्रयास करने लगी। महिला की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से आठ ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

इसके आई सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव भावदीन क्षेत्र से चंद्रभान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दस ग्राम हेरोइन बरामद की है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान डिंग थाना क्षेत्र के गांव भावदीन की तरफ जा रही थी। गांव भावदीन के नजदीक एक युवक पैदल आता हुआ दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया तलाशी लेने पर उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गांव अमृतसर कलां क्षेत्र से एक व्यक्ति को डेढ़ किलोग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की

एजेंसी, नई दिल्ली

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रविवार को 32 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम में 22 पुरुष और 10 महिला एथलीट शामिल हैं। टीम में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता एवं स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शामिल हैं। इसके अलावा एथलीट अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह, गुलवीर सिंह, तेजस शिरसे सहित कई खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय पुरुष एथलीट में गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेश कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 मीटर/10,000 मीटर), तेजस अशोक शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पी और संतोष कुमार तमिलारसन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश अनिल कुशारे और आदर्श राम जे (ऊंची कूद), देव मीणा और कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), श्रीशंकर एम और लोकेश सत्यानाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल और तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह (भाला फेंक), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन/ऊंची कूद), विशाल टीके और राजेश रमेश (400 मीटर और 4x400 मीटर रिले) शामिल हैं। महिला एथलीट में पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर), पूजा (ऊंची कूद), मनप्रीत कौर (शॉट पुट), सीमा और निधि रानी (डिस्कस थ्रो), रवीना और प्रियंका (10,000 मीटर रेस वॉक), अंसा बाबू, रशदीप कौर और नीरू पाठक (4x400 मीटर रिले स्पर्धा) को चुना गया है।

जुलाई से आंदोलन करेगी एबीवीपी, 'शिक्षा बचाओ यात्रा' समेत कई कार्यक्रमों का ऐलान

एजेंसी, शिमला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने से छात्रहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन प्रदेशभर में ज्ञापन अभियान, छात्रावास अभियान, धरना-प्रदर्शन और "शिक्षा बचाओ यात्रा" आयोजित करेगा। इसके अलावा शिक्षा के अधिकार, शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त पदों की भर्ती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिला सुरक्षा और विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। यह निर्णय बिलासपुर में आयोजित एबीवीपी के चार दिवसीय प्रदेश अभ्यास वर्ग में लिया गया।

एबीवीपी का प्रदेश अभ्यास वर्ग 11 से 14 जून तक बिलासपुर में आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 209 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में छात्र, छात्राएं, प्राध्यापक और संगठन के कार्यकर्ता शामिल रहे। अभ्यास वर्ग में एबीवीपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश ठाकुर, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, विशेष आमंत्रित सदस्य प्रोफेसर प्रदीप कुमार और क्षेत्रीय संगठन मंत्री गौरव अत्री भी मौजूद रहे।

अभ्यास वर्ग के दौरान विभिन्न वैचारिक सत्र आयोजित किए गए। "बदलते परिसर परिदृश्य में युवा मन की दिशा और अभाविप की भूमिका" विषय पर बोलते हुए नागेश ठाकुर ने कहा कि शिक्षा परिसरों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं और ऐसे समय में युवाओं को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उनके अनुसार एबीवीपी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

वहीं, "संत रविदास जी एवं सामाजिक समरसता" विषय पर अपने संबोधन में देवदत्त जोशी ने कहा कि संत रविदास का जीवन सामाजिक समानता, मानवता और समरसता का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचाने का संदेश आज भी प्रासंगिक है। सामाजिक समरसता को सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए उन्होंने युवाओं से इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक के 341 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विकास कार्यों से आमजन की सुविधाओं का होगा विस्तार : मुख्यमंत्री साय

एजेंसी, जांजगीर चांपा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रविवार को जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोंड़ी (राछा) में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा बटन दबाकर पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन जांजगीर-चांपा जिले के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि जांजगीर चांपा जिले को लगभग 295 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और जनजीवन अधिक सुगम बनेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले में विकास की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा आमजन को सीधे लाभ मिलेगा।

विभिन्न विभागों के कार्य शामिलः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लोकार्पित 159 कार्यों में जल संसाधन, वन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीजीएमएससी, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्य शामिल हैं। वहीं भूमिपूजन के 182 कार्यों में जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, सीजीएमएससी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं।

रिम्स के पास तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, रांची

राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के समीप एक तालाब से रविवार को अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकलवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रिम्स ट्रामा सेंटर के पास स्थित तालाब में एक शव पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया।

पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने भी शव की शिनाख्त नहीं की। प्रारंभिक आशंका है कि व्यक्ति की मौत तालाब में डूबने से हुई हो सकती है। हालांकि, मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव की तस्वीर जिले के विभिन्न थानों को भेजी गई है, ताकि यदि कहीं गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हो तो उसकी पहचान सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद घटना के संबंध में अधिक जानकारी सामने आ सकेगी।

पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति की गुमशुदगी की जानकारी हो या शव के संबंध में कोई सूचना हो तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि पहचान की प्रक्रिया जल्द पूरी की जा सके।

ठाणे ईस्ट में बेतरतीब पार्किंग पर रोक, यातायात पुलिस सक्रिय

एजेंसी, मुंबई

ठाणे शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम के बीच, कोपरी ट्रैफिक ब्रांच में स्थानीय लोगों और ट्रैफिक अधिकारियों की एक छोटी सी मीटिंग रखी गई। इसका मकसद लोगों की समस्याओं को सीधे जानना और असरदार कदम उठाना था। इस मीटिंग में इलाके में ट्रैफिक सिस्टम की समस्याओं, उनके समाधान और लोगों की भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई।

क्योंकि कोपरी इलाका ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, ठाणे रेलवे और पूर्वी बस स्टेशन और अलग-अलग उपनगरों को जोड़ने वाला एक ज़रूरी ट्रांसपोर्ट रूट है, इसलिए सुबह और शाम को गाड़ियों की ज़्यादा संख्या के कारण यहां ट्रैफिक जाम हो जाता है। इस वजह से, मीटिंग में स्थानीय लोगों को होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (ट्रैफिक) पंकज शिरसाठ के गाइडेंस में, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस संध्या भिसे और कोपरी ट्रैफिक ब्रांच के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर दिलीप पाटिल की मौजूदगी में, इस मीटिंग में लोगों के सुझावों को प्राथमिकता दी गई।

लोगों ने बड़ा बंगला इलाके में ट्रैफिक जाम, ठाणे रेलवे स्टेशन इलाके में रिक्शा का मैनेजमेंट, बेतरतीब और गैर-कानूनी पार्किंग, और ट्रैफिक नियमों को अच्छे से लागू करने से जुड़े कई मुद्दे उठाए।

उप्र में बढ़ रहा रिपब्लिकन पार्टी का जनाधार, शोषितों-वंचितों की आवाज बनेगी पार्टीः डॉ. रामदास आठवले

एजेंसी, लखनऊ

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित सिडको भवन में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक को संबोधित किया। बैठक में प्रदेशभर से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान पार्टी के प्रदेश स्तरीय विस्तार और आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. आठवले ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में पूरी ऊर्जा के साथ संघर्ष कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी समाज के शोषित, वंचित और पीड़ित वर्गों की बुलंद आवाज बनने के लिए कटिबद्ध है।

इस अवसर पर उ न्होंने पार्टी के प्रदेश

अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता के सक्रिय नेतृत्व की सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आठवले ने कहा कि श्री गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में संगठन का विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है। पवन भाई गुप्ता न केवल प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच बना रहे हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनमें नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। उनकी मेहनत और संगठन कौशल का ही परिणाम है कि प्रदेश के हर जिले, ब्लॉक और तहसील स्तर पर पार्टी की नींव मजबूत हो रही है।

पदाधिकारियों को दिया जीत का मंत्रः डॉ. आठवले ने पार्टी को 'एक परिवार' बताते हुए कहा कि "यदि हम जिला, तहसील, ब्लॉक और गांव स्तर पर मेहनत और लगन से काम करेंगे, तो निश्चित रूप से परिणाम सकारात्मक मिलेंगे।" उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएं और लगातार जनसभाएं आयोजित करें।

बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए बूथ स्तर तक सदस्यता अभियान तेज किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने विश्वास दिलाया कि पार्टी डॉ. आठवले के विजन को धरातल पर उतारने और उत्तर प्रदेश में शोषित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। इस समीक्षा बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी और आगामी चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करने का संकल्प लिया।

अमेरिका-ईरान तनाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भारतीय शेयर बाजार: वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की परीक्षा -समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» अमेरिका ईरान तनाव-संभावित समझौते को लेकर परस्पर विरोधी दावों ने विश्व निवेशकों को असमंजस की स्थिति में ला खड़ा किया

» संभवतः पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक तनाव, रुपये की कमजोरी, एआई आधारित निवेश अवसरों की ओर झुकाव, भारतीय बाजारों में मुनाफावसूली, कारकों से विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से धन निकालनें प्रेरित हुआ -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में वित्तीय बाजार केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि भू- राजनीतिक घटनाओं से भी संचालित हो रहे हैं।अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव तथा युद्धविराम एवं संभावित समझौते को लेकर परस्पर विरोधी दावों ने विश्व निवेशकों को असमंजस की स्थिति में ला खड़ा किया है। एक ओर अमेरिका बार-बार यह संकेत दे रहा है कि 14 जून 2026 को शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है,वहीं दूसरी ओर ईरान इसे केवलप्रारंभिक वार्ता बताते हुए अपनी शर्तें पूरी न होने की बात कह रहा है। ईरान के भीतर भी संभावित समझौते के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस अनिश्चित वातावरण का सीधा प्रभाव वैश्विक पूंजी प्रवाह,निवेशक विश्वास और शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के 14 जून 2026 को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून 2026 के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से 62,853 करोड़ रूपए की भारी निकासी की है। यह केवल भारतीय बाजार की कहानी नहीं बल्कि वैश्विक पूंजी के बदलते रुझानों, जोखिम की बढ़ती धारणा और निवेशकों की सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर वापसी का संकेत है। मैं एडवोकेशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि, विदेशी निवेशकों की यह बिकवाली किसी एक कारण का परिणाम नहीं है,बल्कि अनेक वैश्विक और घरेलू कारकों का संयुक्त प्रभाव है।सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था की अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति मानी जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और वहां ब्याज दरों के उच्च स्तरपर बने रहने से वैश्विक निवेशकों को सुरक्षित और निश्चित प्रतिफल के अवसर उपलब्ध हो रहेहैं।सामान्यतःजब अमेरिका में जोखिम- रहित प्रतिफल बढ़ता है तो उभरते बाजारों, विशेषकर भारत जैसे देशों में निवेश का आकर्षण कुछ कम हो जाता है। साथियों, विदेशी फंड प्रबंधक जोखिम लेकर उभरते बाजारों में निवेश करने के बजाय अमेरिकी सरकारी बॉन्ड तथा डॉलर आधारित परिसंपत्तियों में धन लगाना अधिक सुरक्षित समझते हैं। परिणामस्वरूप भारत सहित कई उभरते बाजारों से पूंजी निकासी तेज हो जाती है। दूसरा बड़ा कारण पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता है। अमेरिका-ईरान तनाव, तेल आपूर्ति मार्गों को लेकर चिंताएं, ऊर्जा कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव और वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले प्रभावों ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को कम किया है। जब भी वैश्विक स्तर पर युद्ध या संघर्ष की आशंका बढ़ती है, निवेशक तथाकथित "सेफ हेवन" परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। अमेरिकी डॉलर, सोना और विकसित देशों के सरकारी बॉन्ड ऐसे समय में अधिक आकर्षक बन जाते हैं।इसके विपरीत उभरते बाजारों में निवेश अपेक्षाकृतजोखिमपूर्ण माना जाता है। यही कारण है कि जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से भारी विदेशी पूंजी निकासी देखने को मिली साथियों एक महत्वपूर्ण कारण यह भी है क्रि भारतीय शेयर बाजार का ऊंचा मूल्यांकन और मुनाफावसूली है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती, कॉर्पोरेट आय में वृद्धि, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार और घरेलू निवेशकों की सक्रिय भागीदारी के कारण भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय तेजी देखी गई। अनेक प्रमुख सूचकांक ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचे। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशकों ने अपने निवेश पर लाभ सुरक्षित करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली की। वैश्विक फंड प्रबंधक अक्सर उन बाजारों में लाभ बुक करते हैं जहां उन्हें लगता है कि मूल्यांकन काफी ऊंचा हो चुका है और आगे की वृद्धि सीमित हो सकती है। भारतीय बाजार में हालिया बिकवाली को इसी दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है।इसके अतिरिक्त भारतीय रुपये की कमजोरी भी विदेशी निवेशकों के लिए चिंता का विषय रही है। यदि कोई विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में लाभ कमाता है लेकिन उसी अवधि में रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले घट जाता है, तो वास्तविक डॉलर आधारित रिटर्न कम हो जाता है। यही कारण है कि मुद्रा जोखिम भी विदेशी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करता है। 2026 में रुपये की कमजोरी ने विदेशी निवेशकों की चिंता को और बढ़ाया है। साथियों एनएसडीएल के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक हर महीने भारतीय शेयरों के शुद्ध विक्रेता रहे हैं। जनवरी में उन्होंने लगभग 35,962 करोड़ रूपए की निकासी की।फरवरी में स्थिति थोड़ी सुधरी और लगभग 22,615 करोड़ रूपए का निवेश आया, जो 17 महीनों में सबसे बड़ा मासिक प्रवाह था। लेकिन मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रूपए की बिकवाली हुई। अप्रैल में 60,847 करोड़ रूपए और मई में 32,963 करोड़ रूपए की निकासी दर्ज की गई। जून के पहले पंद्रह दिनों में ही 62,853 करोड़ रूपए की बिकवाली हो चुकी है। इसके साथ ही वर्ष 2026 में कुल विदेशी निकासी लगभग 2.87 लाख करोड़ रूपए तक पहुंच गई है, जो पूरे वर्ष 2025 की कुल निकासी 1.66 लाख करोड़ से भी कहीं अधिक है। यह आंकड़े डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उठाए गए हैं। साथियों यह आंकड़े दर्शाते हैं कि विदेशी निवेशकों का रुख केवल अल्पकालिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक रणनीतिक पुनर्संतुलन का हिस्सा है। हाल के महीनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंपनियों और अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारी निवेश आकर्षित हुआ है। अनेक वैश्विक फंड उभरते बाजारों से धन निकालकर अमेरिकी तकनीकी कंपनियों और एआई से संबंधित अवसरों में निवेश कर रहे हैं। इससे भारत सहित कई देशों के शेयर बाजारों पर दबाव बना है।हालांकि विदेशी निवेशकों की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पूरी तरह से धराशायी नहीं हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों की मजबूत भागीदारी है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में म्यूचुअल फंड निवेश, व्यवस्थित निवेश योजना, पेंशन फंड और बीमा कंपनियों के निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। घरेलू निवेशकों ने विदेशी निवेशकों द्वारा बेचे जा रहे शेयरों को बड़े पैमाने पर खरीदा है। यही कारण है कि बाजार में अस्थिरता तो बढ़ी है, लेकिन व्यापक गिरावट नहीं आई। भारतीय पूंजी बाजार की यह संरचनात्मक मजबूती पिछले दशक की तुलना में कहीं अधिक सशक्त दिखाई देती है। साथियों भारतीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से यह स्थिति एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है। पहले विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सीधा प्रभाव बाजार पर गंभीर रूप से पड़ता था, लेकिन अब घरेलू बचत का बड़ा हिस्सा वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर आ रहा है। इससे भारतीय बाजारों की विदेशी पूंजी पर निर्भरता धीरे-धीरे कम हो रही है। हालांकि विदेशी निवेश अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन घरेलू निवेशकों की बढ़ती भूमिका बाजार को स्थिरता प्रदान कर रही है।आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी पूंजी का निरंतर बहिर्वाह चालू खाते के घाटे, रुपये की विनिमय दर और पूंजी बाजार की तरलता पर प्रभाव डाल सकता है। इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक और नीति निर्माता विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न उपायों पर काम कर रहे हैं। हाल के महीनों में विदेशी मुद्रा प्रबंधन, बॉन्ड बाजार में पहुंच बढ़ाने और विदेशी निवेश नियमों को सरल बनाने जैसे कदम उठाए गए हैं ताकि वैश्विक निवेशकों का विश्वास बना रहे। साथियों, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की दृष्टि से आने वाले सप्ताह अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाले हैं। अमेरिका-ईरान वार्ता का परिणाम, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, जापान के केंद्रीय बैंक के निर्णय और वैश्विक आर्थिक वृद्धि के संकेतक पूंजी प्रवाह की दिशा तय करेंगे। यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है और तेल कीमतों में स्थिरता आती है तो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह सकारात्मक होगा। वहीं यदि संघर्ष बढ़ता है तो ऊर्जा लागत, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेश प्रवाह पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जून 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की गई 62,853 करोड़ रूपए की भारी बिकवाली केवल भारतीय शेयर बाजार की घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में चल रहे व्यापक बदलावों का प्रतिबिंब है।अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती, ऊंची बॉन्ड यील्ड, पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक तनाव, रुपये की कमजोरी, एआई आधारित निवेश अवसरों की ओर वैश्विक पूंजी का झुकाव और भारतीय बाजारों में मुनाफावसूली,इन सभी कारकों ने मिलकर विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार से धन निकालने के लिए प्रेरित किया है।फिर भी घरेलूनिवेशकों की बढ़ती ताकत और भारतीय अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विकास क्षमता यह संकेत देती है कि यह चुनौती अस्थायी हो सकती है। आने वाले समय में यदि वैश्विक तनाव कम होता है और निवेशकों का जोखिम लेने का विश्वास लौटता है, तो भारत पुनः विदेशी पूंजी का प्रमुख गंतव्य बन सकता है। फिलहाल यह दौर भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती, घरेलू निवेशकों के विश्वास और आर्थिक लचीलेपन की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए।

संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

रिटेल महंगाई से बाजार और आम आदमी की परेशानी बढ़ी

लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल

सरकार के आंकड़े कुछ भी कहें लेकिन सच्चाई यही है कि देश में महंगाई की मार जारी है। लगातार पांचवें महीने रिटेल महंगाई बढ़ी है और मई में यह बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई है। हालांकि, ये अभी भी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के तय दायरे से अंदर बनी हुई है। आरबीआई द्वारा निर्धारित किए गए दायरे की बात करें तो ये 2-6 फीसदी निर्धारित है। इससे पिछले अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई दर 3.48 फीसदी रही थी। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों को देखें, तो देश में रिटेल महंगाई में इजाफे के लिए खासतौर पर फूड प्रोडक्ट्स और ईंधन की बढ़ती कीमतें जिम्मेदार रहीं। मई में महंगाई दर इस वर्ष जनवरी में लागू संशोधित सीपीआई श्रृंखला के अंतर्गत अब तक की सबसे उच्च दर है। मई में महंगाई दर बढ़ाने में सबसे ज्यादा योगदान खाने-पीने की चीजों के साथ ही ईंधन दरों में बढोत्तरी का रहा। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में लगातार वृद्धि का सिलसिला जारी है। यह अप्रैल के 4.20% से बढ़कर मई में 4.78% हो गई, जिससे पता चलता है कि खाद्य पदार्थों की कीमतें एक महीने पहले की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। फूड प्राइस में इजाफे के साथ ही ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से परिवहन लागत बढ़ गई है। ईंधन के रेट में बढोत्तरी ने भी महंगाई बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया है। सरकारी तेल वितरण कंपनियों ने मई के दौरान ईंधन की कीमतों में चार बार वृद्धि की, जिससे परिवहन लागत बढ़ गई और महंगाई बढ़ाई है। आपको पता है कि महंगाई को आंकड़ों से कहीं अधिक आम आदमी की थाली, रसोई, जेब और मन की चिंता से समझा जा सकता है। सरकारी रिपोर्टों में महंगाई दर भले कुछ प्रतिशत अंकों में मापी जाती हो, लेकिन इसका असली असर उस परिवार पर दिखता है, जिसे हर महीने सीमित आमदनी में राशन, गैस, बिजली, बच्चों की पढ़ाई, दवा और यात्रा का खर्च संभालना पड़ता है। मई महीने में खुदरा महंगाई दर का चढ़कर 3.93 फीसदी होना इसी चिंता को फिर से बढ़ाता है। अप्रैल में यह दर 3.48 फीसदी थी, यानी महंगाई की रफ्तार फिर तेज हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी इसका सबसे बड़ा कारण बनी है। खाद्य महंगाई 4.78 फीसदी तक पहुंचना बताता है कि रसोई का बजट अब पहले से अधिक दबाव में है। महंगाई केवल आंकड़ों का खेल नहीं होती, यह आम आदमी की थाली, रसोई, यात्रा, बच्चों की पढ़ाई और पूरे घरेलू बजट की सीधी कहानी होती है। जय बाजार में सब्जी महंगी होती है, ईंधन के दाम बढ़ते हैं, रसोई गैस महंगी होती है और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च बढ़ता है, तब इसका असर सबसे पहले गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है। सरकार और रिजर्व बैंक के लिए महंगाई को नियंत्रित रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई को मुख्य आधार बनाता है। सरकार ने महंगाई को चार फीसदी के आसपास रखने का लक्ष्य दिया है, जिसमें दो फीसदी ऊपर-नीचे का दायरा शामिल है। मई का आंकड़ा भले इस दायरे में दिखाई देता हो, लेकिन खाद्य महंगाई, ईंधन की कीमतों और वैश्विक संकटों को देखते हुए चिंता स्वाभाविक है। महंगाई का दबाव यदि लगातार बना रहा तो इसका असर मांग, निवेश और आर्थिक विकास पर भी पड़ेगा। ईंधन महंगाई की आग को और हवा दे रहा है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से केवल वाहन चलाना महंगा नहीं होता, बल्कि माल बुलाई, सार्वजनिक परिवहन, किराया, खाद्य सामग्री और सेवा क्षेत्र तक इसकी मार पहुंचती है। मई से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने आम आदमी के खर्च को और बढ़ाया है। सीएनजी महंगी होने से शहरी परिवहन भी प्रभावित हुआ है। जब परिवहन लागत बढ़ती है, तो बाजार तक पहुंचने वाली हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। यही कारण है कि ईंधन की महंगाई धीरे-धीरे पूरे बाजार में फैल जाती है। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमत में वृद्धि ने आम परिवारों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। होटल और रेस्तरां पहले ही वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की बढ़ी कीमतों के कारण खानपान महंगा कर चुके हैं। अब घरेलू गैस की कीमत बढ़ने से आम घरों की रसोई तक महंगाई की सीधी आंच पहुंच गई है। जिन परिवारों की आय सीमित है, उनके लिए गैस सिलिंडर, सब्जी, दूध, स्कूल फीस और बिजली-पानी जैसे खर्चों को संतुलित करना कठिन होता जा रहा है। महंगाई केवल घरेलू कारणों से नहीं बढ़ती। वैश्विक हालात भी इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं।

भारत दर्शन कराएगी भारत गौरव ट्रेन

आलेख–विनोद कुमार सिंह "तकियावाला",स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

» भारत गौरव ट्रेन से आस्था, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का विराट संगम

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित होती आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक परंपराओं का जीवंत स्वरूप है। यहाँ के तीर्थस्थल केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं हैं, बल्कि भारतीय सभ्यता की निरंतर प्रवाहित सांस्कृतिक धारा के प्रतीक भी हैं। अविरल गंगा के घाटों से लेकर विहंगम समुद्र तटों तक, पर्वतराज हिमालय की प्राकृतिक वादियों से लेकर दक्षिण भारत के दिव्य-भव्य मंदिरों तक फैली यह आध्यात्मिक विरासत सदियों से करोड़ों लोगों को आकर्षित करती रही है।यही कारण है कि भारत में तीर्थाटन को केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नयन, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय एकता का माध्यम माना जाता है। वर्तमान समय में जब मनुष्य भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में मानसिक तनाव और जीवन की जटिलताओं से जूझ रहा है, तब तीर्थ यात्राओं का महत्व और बढ़ जाता है। ऐसी यात्राएँ व्यक्ति को आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करती हैं तथा उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती हैं।इसी संदर्भ में भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी)द्वारा संचालित भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन की "देव दर्शन यात्रा : 3 धाम एवं 11 ज्योतिर्लिंग" योजना विशेष महत्व रखती है। यह यात्रा आगामी 3 सितम्बर 2026 को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रारम्भ होगी और 17 रात तथा 18 दिनों तक चलेगी। लगभग 10 हजार किलोमीटर लंबी इस यात्रा में श्रद्धालुओं को पूर्व में जगन्नाथ पुरी, दक्षिण में रामेश्वरम तथा पश्चिम में द्वारकाधीश धाम के दर्शन कराने के साथ-साथ देश के प्रमुख 11 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा भी कराई जाएगी। यह अपने प्रकार की एक अनूठी धार्मिक यात्रा है, जिसमें भारत की आध्यात्मिक विरासत का विशाल स्वरूप एक ही परिक्रमा में देखने को मिलेगा।भारत की धार्मिक परंपरा में चार धाम और ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व है। काशी विश्वनाथ को मोक्ष की नगरी कहा जाता है। वैद्यनाथ धाम श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र है।मल्लिकार्जुन, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, त्र्यंबकेश्वर,नागेश्वर, सोमनाथ,महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर जैसे ज्योतिर्लिंग भारतीय आध्यात्मिक चेतना के प्रमुख केंद्र रहे हैं। वहीं जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका धाम सनातन संस्कृति के ऐसे पवित्र स्थल हैं जिनका उल्लेख भारतीय धार्मिक ग्रंथों और लोकमान्यताओं में विशेष सम्मान के साथ किया गया है।तीर्थाटन का वास्तविक महत्व केवल मंदिरों में दर्शन करने तक सीमित नहीं होता। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में देखता है। जब कोई श्रद्धालु उत्तर भारत से दक्षिण भारत, पूर्व से पश्चिम तक यात्रा करता है, तो वह देश की विविध भाषाओं, लोक संस्कृतियों, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को निकट से समझता है। यही अनुभव उसे भारतीयता के व्यापक स्वरूप से परिचित कराता है। इस दृष्टि से तीर्थाटन राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने का प्रयास किया है।काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक,अयोध्या धाम, केदारनाथ पुनर्विकास तथा विभिन्न तीर्थस्थलों पर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं ने देश में धार्मिक पर्यटन के स्वरूप को बदल दिया है। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल श्रद्धालुओं को सुविधाएँ उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और सशक्त बनाना भी है।भारत गौरव ट्रेन इसी सोच का विस्तार है। यह योजना उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो जीवन में एक बार प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन करना चाहते हैं, लेकिन अलग-अलग यात्राओं के लिए पर्याप्त समय और संसाधन नहीं जुटा पाते। एक ही यात्रा में तीन धाम और ग्यारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का अवसर मिलना इस योजना को अत्यंत आकर्षक बनाता है।इस यात्रा की एक बड़ी विशेषता इसकी समग्र व्यवस्था है। यात्रियों को यात्रा के दौरान अलग-अलग होटल बुक करने, भोजन की व्यवस्था करने या स्थानीय परिवहन की चिंता नहीं करनी होगी। वातानुकूलित श्रेणियों वाली विशेष पर्यटक ट्रेन में आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रा के दौरान शुद्ध शाकाहारी भोजन, निर्धारित स्थलों पर होटल आवास, स्थानीय भ्रमण के लिए वातानुकूलित वाहन, सुरक्षा व्यवस्था, यात्रा बीमा तथा प्रशिक्षित टूर प्रबंधकों की सेवाएँ भी प्रदान की जाएँगी।इससे श्रद्धालु पूरी तरह निश्चिंत होकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा का आनंद ले सकेंगे।आर्थिक दृष्टि से भी यह योजना महत्वपूर्ण है।आईआरसीटीसी ने इस विशेष यात्रा के लिए वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का किराया 1,98,010 रुपये, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का किराया 1,81,995 रुपये तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का किराया 1,49,965 रुपये निर्धारित किया है। पहली दृष्टि में यह राशि अधिक प्रतीत हो सकती है, लेकिन इसमें शामिल सुविधाओं पर विचार किया जाए तो यह एक संपूर्ण तीर्थ एवं पर्यटन पैकेज के रूप में सामने आती है।रेल यात्रा, होटल आवास, भोजन, स्थानीय भ्रमण, बीमा तथा अन्य व्यवस्थाओं का समेकित मूल्यांकन करने पर यह यात्रा अनेक श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक विकल्प बन जाती है। आईआरसीटीसी ने इस यात्रा की बुकिंग प्रक्रिया को भी सरल बनाया है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।सीमित सीटों के कारण बुकिंग पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर की जा रही है।इससे देश के किसी भी हिस्से में रहने वाला व्यक्ति बिना किसी अतिरिक्त प्रक्रिया के आसानी से अपनी सीट आरक्षित कर सकता है।धार्मिक पर्यटन का एक महत्वपूर्ण पहलू स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है।जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न तीर्थस्थलों पर पहुँचते हैं तो स्थानीय होटल, परिवहन सेवाएँ, हस्तशिल्प,छोटे व्यापारी और अन्य व्यवसायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय विकास को गति मिलती है।यही कारण है कि आज धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देने लगा है।हालाँकि तीर्थाटन के बढ़ते विस्तार के साथ कुछ चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। तीर्थस्थलों पर बढ़ती भीड़, पर्यावरणीय दबाव,स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।श्रद्धालुओं और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है कि धार्मिक पर्यटन को पर्यावरण- अनुकूल और टिकाऊ बनाया जाए।तीर्थस्थलों की पवित्रता और प्राकृतिक सुंदरता को सुरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।भारत गौरव ट्रेन की यह यात्रा केवल एक रेल यात्रा नहीं है।यह भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना की यात्रा है। इसमें शामिल होने वाला श्रद्धालु केवल मंदिरों के दर्शन करके नहीं लौटता,बल्कि वह भारत की आत्मा को निकट से अनुभव करता है।काशी के घाटों से लेकर रामेश्वरम के समुद्र तट तक,पुरी की भक्ति परंपरा से लेकर द्वारका की सांस्कृतिक विरासत तक फैली यह यात्रा भारत की उस अखंड आध्यात्मिक धारा का परिचय कराती है जिसने सदियों से देश को एक सूत्र में बाँधे रखा है।वास्तव में भारत गौरव ट्रेन आधुनिक भारत में तीर्थाटन के बदलते स्वरूप का प्रतीक है,जहाँ आस्था और आधुनिक सुविधाएँ साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं। यह पहल श्रद्धालुओं को न केवल सुविधाजनक यात्रा प्रदान करती है, बल्कि उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत से भी जोड़ती है।भविष्य में ऐसी योजनाएँ धार्मिक पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और आध्यात्मिक जागरण को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तब अपनी जड़ों से जुड़ने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। तीन धाम और ग्यारह ज्योतिर्लिंगों की यह यात्रा उसी जुड़ाव का एक सशक्त माध्यम बनकर सामने आई है।यह केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से साक्षात्कार का अवसर है,जो श्रद्धालुओं को जीवन भर याद रहने वाला अनुभव प्रदान कर सकता है।

बुकिंग एवं संपर्क जानकारी
बुकिंग हेतु : irctctourism.com
हेल्पलाइन : 1800-110-139 (टोल फ्री)संपर्क 080-44647998, 080-35734998
ई-मेल : tourism@irctc.com

नए जमाने में बुजुर्ग की हो रही है उपेक्षा

लेखक - संजय गोस्वामी

आज नए जमाने में बुजुर्ग की उपेक्षा की हो रही है उपेक्षा का अर्थ किसी बात, व्यक्ति या परिस्थिति को नजरअंदाज करना, ध्यान न देना या महत्व न समझना है। इसे बोलचाल में लापरवाही, अनादर या तिरस्कार भी कहा जाता हैआज के ज़माने में, पैसे की बढ़ती अहमियत ने लोगों को इसे कमाने में इतना बिज़ी कर दिया है कि उनके पास दूसरों पर ध्यान देने का टाइम ही नहीं है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की वैल्यू तभी तक करते हैं जब तक उनके पास पैसा होता है; एक बार पैसा खत्म हो जाने पर, बुज़ुर्गों की अहमियत खत्म हो जाती है और उन्हें सिर्फ़ बोझ समझा जाता है। 5. अपना फ़ायदा: नई पीढ़ी ज़्यादा सेल्फ़िश होती जा रही है। वे ज़्यादातर अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं, अपने परिवार के बुज़ुर्गों की देखभाल तभी करते हैं जब उन्हें विरासत में पैसा या प्रॉपर्टी मिलने की उम्मीद दिखती है; वे सिर्फ़ अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं। अपने बुज़ुर्गों के प्रति सेवा, दया और त्याग की भावना कम होती जा रही है, क्योंकि वे बुज़ुर्गों की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी को अपनी आज़ादी में रुकावट मानते हैं। नतीजतन, वे अपने फ़ायदे के लिए बुज़ुर्गों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। बुज़ुर्गों की परेशानियाँ: बुढ़ापे को ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव माना जाता है—एक ऐसा पड़ाव जो अक्सर मुश्किलों से घिरा होता है—क्योंकि बुज़ुर्ग कई मुश्किलों से घिरे होते हैं जिनकी वजह से वे दूसरों से जुड़ाव बनाए नहीं रख पाते। समय के साथ समाज में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। नई पीढ़ी पारंपरिक विचारों वाले लोगों को अपनी ज़िंदगी में शामिल करना सही नहीं समझती; नतीजतन, युवा बुज़ुर्गों के अनुभवों और नज़रिए को नज़रअंदाज़ करने लगते हैं। बुज़ुर्गों को होने वाली परेशानियाँ ज़्यादा साफ़ होती जा रही हैं, जबकि समाज में उनकी उपयोगिता कम होती दिख रही है। इन समस्याओं को इस तरह बताया जा सकता है: 1. शारीरिक चुनौतियाँ: बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी दौर होता है, एक ऐसा समय जब शरीर अपनी ताकत खोने लगता है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा पर असर डालते हैं और कई तरह की परेशानियाँ पैदा करते हैं। जहाँ कुछ लोग साठ साल की उम्र में भी जवान दिखते हैं, वहीं दूसरों को उम्र से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है; कुल मिलाकर, बुज़ुर्गों को बढ़ती मुश्किलों और समाज में उनकी अहमियत में कमी का सामना करना पड़ता है। बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव होता है, एक ऐसा समय जो अक्सर शारीरिक कमज़ोरी और काम करने की कम क्षमता से पहचाना जाता है। गुज़ारे के लिए दूसरों पर निर्भर होना ज़रूरी हो जाता है, और यही निर्भरता बुज़ुर्गों की परेशानियों की जड़ होती है। उन्हें अक्सर शारीरिक और आर्थिक रूप से घुटन भरी ज़िंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चाहे वे पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, इस समय उनकी ज़िंदगी अक्सर अस्थिर हो जाती है; उन्हें नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल होती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बुढ़ापे में सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा झेलता है, और अक्सर पाता है कि नई पीढ़ी उन्हें ज़्यादा अहमियत नहीं देती। इंसानियत तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ती रहती है। बदलाव कुदरत का एक बुनियादी नियम है, लेकिन इंसानों ने अपनी दिमागी काबिलियत से भी बदलाव को आगे बढ़ाया है। नई सुविधाओं की लगातार तलाश इस तरक्की की चाहत को और बढ़ाती है। आज, इंसानियत तरक्की के उस शिखर पर पहुँच गई है जहाँ विकास की रफ़्तार बहुत तेज़ हो गई है। विकास की रफ़्तार काफ़ी तेज़ हो गई है, और शिक्षा तेज़ी से फैल रही है; शिक्षा से मिला ज्ञान लोगों की लाइफस्टाइल, खाने-पीने की आदतों और सोच में बड़े बदलाव ला रहा है। हर कोई मॉडर्न सुविधाओं से लैस ज़िंदगी चाहता है और ज़्यादा से ज़्यादा आराम पाने की होड़ में फँस गया है; इसी होड़ ने उनसे उनकी खुशी, शांति और सुकून छीन लिया है। वे तेज़ी से स्ट्रेस में आ रहे हैं। उनकी सोच में बड़े बदलाव आए हैं, जिससे आज का युवा पारंपरिक नियमों और पुरानी मान्यताओं से आज़ाद होना चाहता है। इसके उलट, पुरानी पीढ़ी इन बेलगाम बदलावों को मानने में मुश्किल महसूस करती है; वे अपने ज़माने के मूल्यों और आदर्शों को मानते हैं और इस बदलाव के लिए नए ज़माने और नई पीढ़ी को दोषी ठहराते हैं। लेकिन, नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की सोच और उसूलों को नकार देती है, जिससे उनके बीच दरार पैदा होती है। परिवार में तालमेल की कमी हो जाती है, जिससे बुज़ुर्ग सदस्यों को परेशानी होती है। अगर पुरानी पीढ़ी यह मान ले कि यह युवाओं का ज़माना है—जो मॉडर्न माहौल में पैदा हुए हैं और स्वाभाविक रूप से आज के ज़माने 8i8iके हिसाब से जीना पसंद करते हैं—तो इससे मदद मिलेगी। बदलाव तो होना ही है; इसे कोई नहीं रोक सकता। क्योंकि इन बदलावों को रोका नहीं जा सकता, इसलिए समझदारी इसी में है कि हम अपनी सोच को जितना हो सके, बदलने की कोशिश करें। इससे नई पीढ़ी के साथ तालमेल बनता है और यह पक्का होता है कि परिवार में बुज़ुर्गों का सम्मान बना रहे। नतीजतन, परिवार का माहौल अच्छा बना रहता है, जिससे बुज़ुर्ग अपनी बाकी ज़िंदगी आराम और सुकून से बिता पाते हैं। पिछली सदी में इंसानी समाज ने बहुत तरक्की की है।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी की शुरुआत दर्दनाक रही। पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह ओमरजई को पुल शॉट लगाने के चक्कर में चोटिल हो गए। गेंद उनके कलाई पर लगी और वह दर्द से कराहते दिखे। दर्द से राहत मिलने के बाद रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों को चोट दिया। रन आउट होने से पहले उन्होंने 16 गेंद पर 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 16 रन बनाए। रोहित शर्मा ने इस पारी में पहला छक्का जड़ते ही बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। बतौर ओपनर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके 16000 रन पूरे हो गए। वह बतौर ओपनर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। वीरेंद्र सहवाग के उनसे ज्यादा रन हैं, लेकिन उन्होंने एशिया और आईसीसी एकादश के लिए ओपनिंग करते हुए रन बनाए हैं।

धर्मशाला में रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

मोहिंदर अमरनाथ का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार (13 जून) को धर्मशाला में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में इतिहास रच दिया। वह 50 ओवर के मैच में हिस्सा लेने वाले भारत के सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बन गए। रोहित की उम्र अभी 39 साल और 44 दिन है। उन्होंने ने मोहिंदर अमरनाथ को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 36 दिन की उम्र में वनडे खेला था। अमरनाथ ने अपना आखिरी वनडे मैच 1989 में खेला था। यह माइलस्टोन रोहित के शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और बड़ी कामयाबी है। वह पहले ही भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, रोहित वनडे खेलने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय नहीं हैं।

झूलन गोस्वामी के नाम है रिकॉर्ड

यह रिकॉर्ड भारत की पूर्व महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम है, जिन्होंने 2022 में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 39 साल और 303 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे खेला था। खास बात यह है कि किसी भी भारतीय क्रिकेटर ने 40 साल से ज्यादा उम्र में वनडेमें देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

शुभमन गिल नंबर 1

धवन और कोहली को छोड़ा पीछे; ये हैं ODI में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में 66 गेंद पर नाबाद 84 रन बनाते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्हें इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। गिल ने इस पारी में अपने 3000 वनडे इंटरनेशनल रन भी पूरे किए। वह अब भारत के लिए सबसे कम पारियों के लिहाज से सबसे तेज 3000 वनडे रन बनने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने शिखर धवन और विराट कोहली जैसे धाकड़ खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है। वहीं हाशिम अमला दुनियाभर में सबसे तेज 3000 वनडे रन (पारियों के लिहाज से) बनाने वाले बल्लेबाज हैं। गिल इस मामले में दूसरे नंबर पर सिर्फ अमला से पीछे हैं। जबकि भारतीयों के मामले में शुभमन गिल नंबर 1 पर हैं। इस लिस्ट के टॉप 5 में केएल राहुल और नवजोत सिंह सिद्धू भी शामिल हैं।

सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय

शुभमन गिल: 62 पारी
शिखर धवन: 72 पारी
विराट कोहली: 75 पारी
केएल राहुल: 78 पारी
नवजोत सिंह सिद्धू: 79 पारी

ODI में सबसे तेज 3000 रन (पारियों के लिहाज से)

● 57 पारीः हाशिम अमला ● 62 पारीः शुभमन गिल ● 67 पारीः शाय होप ● 67 पारीः फखर जमां ● 67 पारीः इमाम उल हक

शुभमन गिल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने अभी तक भारत के लिए 62 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों की 62 पारियों में 3037 रन बनाए हैं। उनके नाम 8 शतक और 18 अर्धशतक दर्ज हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 208 रन है। गिल का वनडे में औसत 57.30 और स्ट्राइक रेट 99.63 है। 2019 में वनडे डेब्यू करने के बाद आज यह खिलाड़ी भारतीय टीम का कप्तान बन चुका है और उनके निशाने पर है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की ट्रॉफी।

गुरबाज का 48 गेंदों पर शतक

अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके, अफगानिस्तान के लिए सबसे तेज सैकड़ा

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पहले वनडे में शनिवार (13 जून) को रहमानुल्लाह गुरबाज ने 48 गेंदों पर ताबड़तोड़ शतक जड़कर अफगानिस्तान को संकट से उबारा। गुरबाज ने भारत के खिलाफ दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले अफगानिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बने। अफगानिस्तान के लिए वनडे में सबसे तेज शतक जड़ने का रिकॉर्ड उनके नाम हो गया। धर्मशाला में बारिश से प्रभावित मैच में अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिला। 25-25 ओवर के मैच में अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने 5 ओवर के अंदर 26 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। ऐसा लग रहा था अफगानिस्तान की सस्ते में निपट जाएगी, लेकिन गुरबाज ने कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ चौथे विकेट के लिए 66 गेंद पर 116 रन जोड़ दिए।

गुरबाज का मील का पत्थर- रहमानुल्लाह गुरबाज का यह 9वां वनडे शतक है – अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक। अगले सर्वाधिक शतक इब्राहिम जादरान और मोहम्मद शहजाद के नाम हैं – दोनों के 6-6 शतक।

एबी डिविलियर्स को पीछे छोड़ा

इस साझेदारी में गुरबाज का योगदान 38 गेंद पर 82 रन का था। शाहिदी ने 28 गेंद पर 27 रन बनाए। गुरबाज ने इस पारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फॉल्कनर, एबी डिविलियर्स और माइकल ब्रेसवेल को पीछे छोड़ा। तीनों ने भारत के खिलाफ 57 गेंद पर शतक जड़ा है। सबसे तेज शतक शाहिद अफरीदी के नाम है। उन्होंने 2005 में कानपुर में 45 गेंद पर शतक जड़ा था।

गुरबाज ने 8 साल का सूखा खत्म किया

गुरबाज ने धर्मशाला में शतक जड़कर 8 साल का सूखा खत्म किया। वह भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले अफगानिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले मोहम्मद शाहजाद ने 2018 में 124 रनों की पारी खेली थी। अफगानिस्तान के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनकर गुरबाज ने शाहजाद और करिम सादिक का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 72 गेंद पर शतक जड़ा। गुरबाज का यह वनडे में 9वां शतक था। वह अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यागा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी हैं।

व्यापार

देश में एलपीजी, तेल और खाद की कितनी कमी सरकार ने सब कर दिया क्लियर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान संकट के बीच केंद्र सरकार ने देशवासियों और किसानों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में कच्चे तेल, एलपीजी, प्राकृतिक गैस और खेती के लिए जरूरी खादों (उर्वरकों) का पर्याप्त भंडार मौजूद है, इसलिए किसी भी तरह की किल्लत की कोई आशंका नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देश को आश्वस्त किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारत के पास 60 दिनों से अधिक की खपत के लिए कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) और प्राकृतिक गैस का स्टॉक मौजूद है। वहीं इंदौर में ब्रिक्स कृषि बैठक के समापन के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को खाद की उपलब्धता और कीमतों को लेकर बड़ी राहत दी।

भारत ने घरेलू उत्पादन बढ़ाकर एलपीजी (रसोई गैस) के आयात पर अपनी निर्भरता को काफी कम कर लिया है। पहले जहां घरेलू उत्पादन 32,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन था, वह अब बढ़कर 54,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया है। देश के पास फिलहाल 75 से 80 दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है। हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि मई 2022 से मई 2026 के बीच जहां दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही थीं, वहीं भारत में कीमतों में 3.1% की गिरावट आई है। हाल ही में एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती से सरकारी खजाने पर 1 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ा, लेकिन आम जनता को राहत मिली। सरकार वैकल्पिक ईंधन पर तेजी से काम कर रही है। दिसंबर 2026 तक ई85 ईंधन पंपों की संख्या बढ़ाकर 500 और दिसंबर 2027 तक 5,000 करने का लक्ष्य है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खरीफ और रबी फसलों के लिए देश में खाद की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने कहा कि चालू खरीफ सीजन के लिए देश में पर्याप्त खाद उपलब्ध है और आने वाले रबी सीजन के लिए भी अग्रिम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। साथ ही वैश्विक स्तर पर कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद किसानों को यूरिया और डीएपी पुरानी रियायती दरों पर ही मिलती रहेगी। बढ़े हुए दामों का अतिरिक्त बोझ सरकार खुद उठाएगी। मानसून को प्रभावित करने वाले अल नीनो जलवायु प्रभाव पर बात करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने इससे निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। साथ ही टिकाऊ खेती के लिए देश में जैविक और प्राकृतिक खेती को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिजली बिल बढ़ने से दिल्ली की इंडस्ट्री पर मुश्किलें

यूपी और हरियाणा में शिफ्ट हो सकती हैं फैक्ट्रियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बिजली के बिलों में पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट की बढ़ोतरी को लेकर दुकानदारों और फैक्ट्री मालिकों की टेंशन बढ़ गई है। व्यापारी संगठन सीटीआई ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। दावा है कि इस बढ़ोतरी से हरियाणा और यूपी के अपेक्षा दिल्ली में कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। बिजली की नई दरें 10 जून से लागू हो चुकी है, जिसका असर जुलाई में आने वाले बिजली बिलों में दिखाई देगा। इंडस्ट्रीज के लिए बिजली की दरें पहले से ही पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश की तुलना में बहुत ज्यादा हैं। अब बिजली दरें और बढ़ने से दिल्ली की इंडस्ट्रीज पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश में शिफ्ट हो सकती हैं क्योंकि वहां बिजली की दरें और न्यूनतम मजदूरी

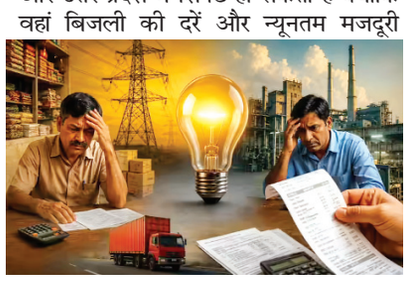

दिल्ली की तुलना में सस्ती होने से लागत कम पड़ेगी। बृजेश गोयल ने कहा कि रेजिडेंशियल बिजली दरों में सब्सिडी मिलती है, लेकिन कमर्शियल और इंडस्ट्रीज में सब्सिडी नहीं मिलने से यहां बिजली की दरें हरियाणा और उत्तर प्रदेश की तुलना में बहुत ज्यादा हो जाएंगी। इससे व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और वस्तुओ के दाम बढ़ने की संभावना बढ़ेगी। अगर यहीं स्थिति रही तो कारोबारी अपना कारोबार हरियाणा या यूपी में शिफ्ट करने को मजबूर होंगे।

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने साफ किया कि कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि बिजली कानूनों के तहत पहले से लागू एक नियामक प्रावधान है। इसके जरिए बिजली वितरण कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत का एडजस्टमेंट करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से पिछले एक महीने में बिजली खरीद की लागत में करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

चीन+1 स्ट्रैटेजी भारत को दे रही अब तक का सबसे बड़ा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ग्लोबल 'चीन+1' स्ट्रैटेजी से सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाले देशों में से एक के तौर पर उभरा है। कारण है कि मल्टीनेशनल कंपनियां चीन से बाहर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन को फैलाने पर तेजी से फोकस कर रही हैं। यस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इसके मुताबिक, यह बदलाव भारत के लिए ग्लोबल वैल्यू चेन में अपनी स्थिति मजबूत करने और एक्सपोर्ट-बेस्ड ग्रोथ को तेज करने का शानदार मौका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जियोपॉलिटिकल टेंशन, सप्लाई-चेन में रुकावट और किसी एक मैन्युफैक्चरिंग हब पर बहुत ज्यादा निर्भरता की चिंताओं ने ग्लोबल कंपनियों को दूसरे विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है। चीन में बढ़ती मजदूरी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता ने इस ट्रेंड को और तेज कर

दिया है। इससे उन देशों के लिए मौके बन रहे हैं जो बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग इन्वेस्टमेंट को अपना सकते हैं।

भारत तेजी से बना रहा है अपनी जगह

अपनी बड़ी लेबर फोर्स, बढ़ते घरेलू बाजार और बेहतर होते मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के साथ भारत तेजी से खुद को उन कुछ अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर स्थापित कर रहा है जो इस ग्लोबल बदलाव का फायदा उठा सकती हैं। यस सिक्योरिटीज के अनुसार, देश एक अहम आर्थिक मोड़ पर है। इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटो कंपोनेंट्स में हालिया बढ़त इसकी बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को दिखाती है। यस सिक्योरिटीज के अनुसार, यह कॉम्बिनेशन लंबे समय तक चलने वाले मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट ग्रोथ साइकल की नींव रख सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा

अलग-अलग सेक्टर्स में इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के बदलते ट्रेड स्ट्रक्चर का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला सेक्टर बनकर उभरा है। रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि ऐपल और स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम ने इस सेक्टर को काफी हद तक इंपोर्ट पर निर्भर रहने की स्थिति से बदलकर देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले एक्सपोर्ट उद्योगों में से एक बना दिया है।

इसलिए बढ़ी है भारत की अपील

रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त अरब अमीरात ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के साथ भारत के हालिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और साथ ही यूरोपियन यूनियन और अमेरिका के साथ बातचीत मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के तौर पर देश की अपील को मजबूत कर रहे हैं। ये एग्रीमेंट्स एक्सपोर्टर्स को टैरिफ के मामले में ज्यादा निश्चितता और बड़े बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान करते हैं।

लोगों को मुश्किल समय में परखा जाता है', जब मस्क पर उठ रहे थे सवाल, तब आनंद महिंद्रा ने बढ़ाया था हौसला

मुंबई, एजेंसी। एलन मस्क ने एक ऐसा मुकाम हासिल किया है जो कभी नामुमकिन लगता था। स्पेसएक्स के कैपिटल मार्केट में आने और उससे बनी भारी वैल्यू के कारण मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। जाहिर है, दुनिया की नजर इसी आंकड़े पर है। एक ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा ऐसा है जो सुर्खियां बटोरता है, बहस छेड़ता है और दुनिया का ध्यान खींचता है। हालांकि, महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा का मानना है कि असली कहानी इस वैल्यूएशन से कहीं आगे की है। मैंने 2018 में एलन मस्क से संपर्क किया था क्योंकि इनोवेटर्स को अक्सर उनके सबसे मुश्किल समय में परखा जाता है, न कि उनके सबसे अच्छे समय में। उस समय जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी हिम्मत और कभी न हार मानने की आदत। मस्क की इस कामयाबी पर बात करते हुए महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन ने इकोनॉमिक टाइम्स के साथ एक ऐसी बात साझा की जो इस मुकाम को लेकर मची हलचल से हटकर है। आनंद महिंद्रा ने बताया, 'मैंने 2018 में एलन मस्क से संपर्क किया था क्योंकि इनोवेटर्स को अक्सर उनके सबसे मुश्किल समय में परखा जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)